संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 198
पृष्ठ 8
बुधवार
08 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कंधे की चर्बी हटाने...

विचार- भय से विश्वास तक, एक युगांतकारी...

खेल- अजिंक्य रहाणे पर क्यों भड़के वीरेंद्र...

योगी कैबिनेट ने 22 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

यूपी में छात्रों को लैपटॉप-टैबलेट, शिक्षामित्रों को 18000 मानदेय

लखनऊ,संवाददाता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के विकास और जनहित से जुड़े सभी 22 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इस बैठक में सबसे बड़ा फैसला प्रदेश के लाखों शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला रहा, जिनका मानदेय लगभग दोगुना करने के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। इसके साथ ही युवाओं के लिए डिजिटल क्रांति को विस्तार देते हुए बड़े पैमाने पर लैपटॉप और टैबलेट वितरण का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। लंबे समय से सड़क से सदन तक संघर्ष कर रहे शिक्षामित्रों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। कैबिनेट ने उनके मानदेय को 10,000 रुपये से बढ़ाकर सीधा 18,000 रुपये प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। वहीं, अनुदेशकों का मानदेय भी 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के करीब 2 लाख परिवारों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को एक अप्रैल से बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। मई के वेतन में जुड़कर आएगा। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत सरकार ने अपना अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2026–27 के लिए 25 लाख छात्र–छात्राओं को टैबलेट और करीब डेढ़ लाख मेधावी छात्र–छात्राओं को लैपटॉप देने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। इसके लिए बिड की सेवा–शर्तों और खरीद प्रक्रिया को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। कैबिनेट ने एक मानवीय फैसला लेते हुए भारत– पाकिस्तान विभाजन के समय आए विस्थापितों और सीएए (नागरिक संशोधन अधिनियम) के तहत पात्र परिवारों को बड़ी राहत दी है। इन परिवारों को अब उनकी काबिज भूमि पर भूमिधर (मालिकाना) अधिकार देने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश रेवेन्यू कोड 2006 की धारा 80 में संशोधन के लिए अध्यादेश 2026 को भी स्वीकृति दी गई है। इससे रामपुर में 2174, पीलीभीत में 4000 , खीरी में 2340 और बिजनौर में 3856 परिवार लाभान्वित होंगे। पीपीपी मॉडल पर 49 नए बस अड्डों के सम्बंध में लाए गए प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली है। इसके तहत पहले फेज में पीपीपी मॉडल पर 23 बस अड्डों की एलवाई जारी हो गई थी। आज 49 बस अड्डों की स्वीकृति मिली है। कुल मिलाकर 52 जनपदों को इससे आच्छादित किया जा रहा है। यह पीपीपी मॉडल के बस अड्डे हवाई अड्डे की तर्ज पर होंगे। सुविधाओं को एयरपोर्ट की तर्ज पर दिया जाएगा। इसके अलावा हाथरस (सिकंद्राराऊ), बुलंदशहर (नरौरा) और बलरामपुर (तुलसीपुर) में नए बस स्टेशनों और डिपो के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग की जमीन परिवहन निगम को निरूशुल्क हस्तांतरित की जाएगी ।पुल निर्माणरू कन्नौज में गंगा नदी पर च्यवन ऋषि आश्रम के पास पुल बनेगा। कुशीनगर में नारायणी नदी के भैंसहा घाट पर सेतु निर्माण होगा। परियोजना की कुल लागत 705.18 करोड़ रुपये है। पुल बनने से बिहार और महराजगंज जाने के लिए 40–50 किमी की दूरी कम हो जाएगी । औद्योगिक विभाग विभाग के आठ निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसमेंछह नए हैं। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक निवेश नीति 2022 के तहत बड़े निवेशकों को सब्सिडी और प्रोत्साहन राशि देने के प्रस्तावों को भी ओके कर दिया गया है, जिससे प्रदेश में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

पीएम मोदी ने कहा-

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हर स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला–नेतृत्व वाले शासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रतिनिधित्व का वास्तविक प्रभाव में बदलना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के उस लेख पर की, जिसमें महिलाओं की विधायी भागीदारी बढ़ाने और समावेशी शासन की जरूरत पर जोर दिया गया है। एक्स पर मोदी ने कहा कि प्रतिनिधित्व का मतलब वास्तविक प्रभाव होना चाहिए। हमारी सरकार ने हर रूप में नारी शक्ति को प्राथमिकता दी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला–नेतृत्व वाले शासन की ओर बढ़ रहा है, जो विकसित भारत का एक अहम स्तंभ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण कानून कहा जाता है, 2023 में संसद द्वारा पारित किया गया था। इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। यह कानून संविधान संशोधन के माध्यम से लागू किया गया है और इसके प्रभावी होने के लिए परिसीमन प्रक्रिया का पूरा होना जरूरी है।

हालांकि, सरकार इस कानून को 2029 से पहले लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने संसद के बजट सत्र को तीन दिन 16 से 18 अप्रैल तक बढ़ाने की घोषणा की है, ताकि कानून में आवश्यक संशोधन कर इसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, अगर सरकार परिसीमन प्रक्रिया से पहले इस कानून को लागू करना चाहती है, तो इसके लिए संविधान में एक और संशोधन करना होगा। माना जा रहा है कि संसद के विस्तारित सत्र में इस दिशा में प्रस्ताव लाया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर खुले मन से समर्थन दें और राजनीतिक गणनाओं से ऊपर उठें।

देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं-सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने कहा है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक

गैस (पीजी) की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। आज नई दिल्ली में पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर अंतर–मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि किसी भी एलपीजी वितरक केंद्र पर पेट्रोल की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से चल रहे हैं और पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है, तथा किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है। सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी भी सुचारू रूप से जारी है और ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग लगभग 96: तक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन संकट–पूर्व स्तर के लगभग 70: तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि 5 किलो सिलेंडरों की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार ने इनकी बिक्री दोगुनी करने का नया आदेश जारी किया है। फरवरी में 5 किलो सिलेंडरों की औसत दैनिक बिक्री लगभग 77,000 सिलेंडर थी, जो अब बढ़कर लगभग 1 लाख सिलेंडर प्रतिदिन हो गई है। उन्होंने आगे बताया कि 23 मार्च से अब तक लगभग 780,000 5 किलोग्राम के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

राजनाथ सिंह ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना, कहा-

उनकी सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है

परगना,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला किया और उनकी सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने, वोट–बैंक के लिए घुसपैठ को बढ़ावा देने और राज्य को कुशासन तथा भ्रष्टाचार के दौर में धकेलने का आरोप लगाया। उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, सिंह ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने समाज को जाति, धर्म और संप्रदाय के आधार पर बांट दिया है, जबकि राजनीति इसके बजाय न्याय, मानवता और समानता पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ममता जी, मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूं। राजनीति करें, लेकिन तुष्टीकरण की राजनीति नहीं। राजनीति संतुष्टि की होनी चाहिए, तुष्टीकरण की नहीं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, आपने समाज को जाति, धर्म और संप्रदाय के आधार पर बांटा है। राजनीति जाति या धर्म के आधार पर नहीं होनी चाहिए। राजनीति न्याय और मानवता या न्याय और समानता पर आधारित होनी चाहिए। अवैध आव्रजन के मुद्दे पर भाजपा के हमले को तेज करते हुए, सिंह ने दावा किया कि बनर्जी घुसपैठ रोकने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वह घुसपैठियों को एक राजनीतिक वोट बैंक के तौर पर देखती हैं। उन्होंने कहा, जहां तकघुसपैठियों की बात है, मैं भरोसे के साथ कह सकता हूं कि ममता जी उन्हें रोकना नहीं चाहतीं क्योंकि वह उन्हें अपना वोट बैंक मानती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब वह केंद्रीय गृह मंत्री थे, तब केंद्र ने बीएसएफ द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने के लिए राज्य सरकार से जमीन मांगी थी, लेकिन इस अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा, श्श्जब मैं गृह मंत्री था, तो हमने जमीन मांगी थी ताकि बीएसएफ द्वारा सीमा पर बाड़बंदी की जा सके। लेकिन जमीन नहीं दी गई। शायद अब जाकर कुछ जमीन दी गई है। सिंह ने कहा कि अगर कोई उनसे पूछे कि टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) का क्या मतलब है, तो वह कहेंगे कि इसका मतलब टोटल मिसरूल एंड करप्शन (पूरी तरह कुशासन और भ्रष्टाचार) है। बंगाल के दूसरे राज्यों से पिछड़ने का दावा करते हुए सिंह ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में लूट, अपहरण और हत्या की घटनाएं आम हो गई हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में लगातार लूट और हत्या हो रही हैं। ममता जी, आप इस राज्य को कहां ले जाना चाहती हैं? भारत के दूसरे राज्यों की तुलना में आपने बंगाल को पीछे धकेल दिया है। मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और उसके बाद अदालतों की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, सिंह ने दावा किया कि न्यायिक अधिकारियों को भी नहीं बख्शा गया। उन्होंने कहा, यहां तक कि न्यायिक मजिस्ट्रेटों को भी बंधक बना लिया गया था। आपको भारत या दुनिया के इतिहास में ऐसी सरकार कहीं नहीं मिलेगी।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, कहा-

बहुजन उद्यमियों को बड़े सरकारी ठेकों से बाहर क्यों रखा जा रहा है

नयी दिल्ली लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में पूछे गए प्रश्न और उस पर सरकार के उत्तर का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि बहुजन उद्यमियों को देश के सबसे बड़े सार्वजनिक ठेकों से बाहर क्यों रखा जा रहा है। राहुल ने बीते दो अप्रैल को लोकसभा में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से संबंधित लिखित प्रश्न पूछे थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, संसद में सरकार से मैंने पूछा कि पिछले वर्ष 16,500 करोड़ रुपये के सार्वजनिक कार्यों के ठेकों में से कितने ठेके दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के व्यवसायियों को मिले? उनका जवाब बेहद चिंताजनक था, उन्होंने कहा कि सरकार इस संबंध में कोई डेटा ही नहीं रखती। उन्होंने ने कहा

कि नीति के तहत सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के तहत 25 प्रतिशत खरीद एमएसएमई से होनी चाहिए, जिसमें से चार प्रतिशत खरीद दलित और आदिवासी उद्यमियों से किया जाना निर्धारित है, लेकिन जब बात सबसे बड़े और लाभकारी ठेकों और सार्वजनिक कार्यों की आती है, तो सरकार कहती है कि यह अनिवार्य नहीं है। रायबरेली से लोकसभा सदस्य ने दावा किया, यह केवल एक प्रशासनिक कमी नहीं है। यह मोदी सरकार की नीतियों के जरिये जानबूझकर बनाई गई बहिष्कार की व्यवस्था है जो सामाजिक और आर्थिक न्याय को कमजोर करती है। राहुल गांधी ने कहा कि सवाल सीधा है कि बहुजन उद्यमियों को देश के सबसे बड़े सार्वजनिक ठेकों से बाहर क्यों रखा जा रहा है? आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने राहुल गांधी के प्रश्न के उत्तर में पिछले पांच साल के दौरान प्रदान किए गए लोक निर्माण और अवसंरचना ठेकों की वर्ष–वार संख्या और मूल्य की सूची उपलब्ध कराई थी।

अजित पवार के बेटे पर भड़के रोहित पवार, कहा-

कांग्रेस के पतन की बात करना गलत, जमीन पर रहें

पुणे,एजेंसी। बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। एनसीपी के विधायक रोहित पवार ने सोमवार को पार्थ पवार के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के श्पतनश की बात कही थी। रोहित पवार ने पार्थ को नसीहत देते हुए कहा कि सत्ता में हों या विपक्ष में, इंसान को हमेशा जमीन पर रहना चाहिए और किसी भी पार्टी के लिए श्पतनश जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना शोभा नहीं देता। इसी साल जनवरी में एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद बारामती सीट खाली हुई है। इस सीट पर 23 अप्रैल को उपचुनाव होने हैं। सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को मैदान में उतारा है। वहीं, एनसीपी शरद पवार गुट और शिवसेना यूबीटी ने अजित पवार के सम्मान में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा, लेकिन कांग्रेस ने यहां से आकाश मोरे को टिकट देकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। कांग्रेस के इस कदम से नाराज पार्थ पवार ने कहा था कि उनकी मां के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस ने बड़ी गलती की है। यह महाराष्ट्र में कांग्रेस के पतन की शुरुआत है। पार्थ के इसी बयान को लेकर रोहित पवार ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी नेता को बोलने से पहले सोचना चाहिए। यह कहना कि कांग्रेस खत्म हो गई है या उसका पतन हो रहा है, पूरी तरह गलत है।

90 लाख से ज्यादा मतदाता सूची नाम से हटे

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति इस बार एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। वर्षों से जिस सवाल को दबाया जाता रहा, जिस पर चर्चा होते ही सियासत गर्म हो जाती थी, अब उसी मुद्दे पर निर्णायक कार्रवाई हुई है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया ने राज्य की चुनावी तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। करीब नब्बे लाख नामों का मतदाता सूची से हटाया जाना साफ संदेश है कि अब चुनावी व्यवस्था में ढील नहीं चलेगी। देखा जाये तो दशकों बाद पश्चिम बंगाल में ऐसा विधानसभा चुनाव होने जा रहा है जिसमें केवल वही लोग मतदान करेंगे जो वास्तव में इसके पात्र हैं। पहले स्थिति यह थी कि मतदाता सूची पर लगातार सवाल उठते थे। आरोप लगते थे कि बाहरी लोग, अवैध घुसपैठिये और अपात्र व्यक्ति भी वोटर सूची में शामिल हो जाते हैं। इससे न केवल चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होती थी बल्कि असली मतदाताओं का अधिकार भी कमजोर होता था। एसआईआर ने इसी कमजोरी पर सीधा प्रहार किया है। आंकड़े खुद इसकी गवाही दे रहे हैं। फरवरी तक ही साठ लाख से अधिक नामों की पहचान कर उन्हें जांच के दायरे में लाया गया। बाद में गहन जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद करीब सत्ताईस लाख नामों को हटाया गया, जबकि जिन लोगों के दस्तावेज सही पाए गए उन्हें सूची में बरकरार रखा गया। यह दिखाता है कि प्रक्रिया मनमानी नहीं बल्कि ठोस आधार पर हुई है। तार्किक विसंगति

श्रेणी में रखे गए मामलों पर खास ध्यान दिया गया। करीब पैंतालीस प्रतिशत मामलों में नाम हटाने का फैसला इस बात का संकेत है कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग सूची में शामिल थे जिनकी पात्रता संदिग्ध थी। अगर यह प्रक्रिया नहीं होती तो यही लोग चुनाव के नतीजों को प्रभावित कर सकते थे। सबसे अहम बात यह है कि पूरी प्रक्रिया न्यायिक निगरानी में हुई। उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने हर मामले की सुनवाई की। अपील के लिए अलग से न्यायाधिकरण बनाए गए हैं। यानी किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न हो, इसके लिए पूरी व्यवस्था बनाई गई है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस बार चुनाव आयोग ने केवल सूची संशोधन नहीं किया, बल्कि चुनावी व्यवस्था को साफ करने का बड़ा अभियान चलाया है। जिला स्तर पर आंकड़े सार्वजनिक किए गए, हर चरण को पारदर्शी बनाने की कोशिश की गई और प्रक्रिया को नियमों के अनुसार आगे बढ़ाया गया। मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे जिलों में जहां सबसे अधिक संदिग्ध मामले सामने आए, वहां विशेष सतर्कता बरती गई। यह वही इलाके हैं जहां लंबे समय से घुसपैठ को लेकर चर्चा होती रही है। अब पहली बार इन इलाकों में भी सख्त कार्रवाई का असर दिख रहा है। मतदान की तारीखें तय हैं और पहले चरण की मतदाता सूची अब पूरी तरह स्थिर हो चुकी है। इसका मतलब साफ है कि अब किसी भी तरह की हेरफेर की गुंजाइश नहीं बची है। जो नाम सूची में हैं, वही मतदान करेंगे और जो हटाए गए हैं, वह इस बार प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

शिक्षामित्रों के नियमितीकरण पर दो महीने में फैसला लें अपर मुख्य सचिव, इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिक्षामित्रों के नियमितीकरण और सहायक अध्यापक के वेतन मामले में अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा को दो माह में सकारण आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। साथ ही याचियों को तीन हफ्ते में प्रत्यावेदन देने के लिए कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने

देवरिया की निघत फिरदौस की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची का कहना था कि वह लंबे समय से प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षामित्र के रूप में कार्यरत है। उसने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। कहा कि जग्गो बनाम भारत संघ केस व श्रीपाल व अन्य केस एवं 11 जून, 2025 के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार उसे नियमित कर सहायक अध्यापक का वेतन दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि तेज बहादुर मौर्य व 114 अन्य के केस में यही मुद्दा था, जिसमें कोर्ट ने निर्देश दिए हैं। इसी फैसले के आलोक में अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा निर्णय लें।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

प्रयागराज। चालक प्लांट से ट्रैक्टर पर गिट्टी लादकर जा रहा था। देवनहरी गांव के पास रास्ते में ट्रैक्टर पलट गया, जिसमें दबने से चालक की मौत हो गई। थरवई क्षेत्र के देवनहरी गांव के पास गिट्टी के प्लांट से चालक विकास बिंद ट्रैक्टर से गिट्टी लादकर जा रहा था। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना पाकर मृतक के परिजन रोते–बिलखते मौके पर पहुंचे। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सरकार की नाकामी से हुई गैस की किल्लतः मंजू

प्रयागराज। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को क्षेत्र के बेरावां गांव में मनरेगा चौपाल का आयोजन किया। इस मौके पर पार्टी पदाधिकारियों ने गैस की किल्लत को सरकार की नाकामी बताया। उपस्थित लोगों के बीच फाफामऊ विधानसभा की प्रभारी एवं महासचिव ओबीसी प्रकोष्ठ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मंजू मौर्या ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकार में आम लोगों को कोई परेशानी नहीं होती थी, लेकिन आज रसोई गैस की किल्लत आम लोगों को उठानी पड़ रही है। तीरथ राज शुक्ला ने सरकार की गलत नीतियों का विरोध जताया। जिला महासचिव विनोद तिवारी ने गैस की किल्लत का विरोध किया। बैठक में अफजाल अहमद आदि लोग शामिल रहे।

बीईओ उरुवा ने प्रधानाध्यापकों के साथ विभागीय कार्यो की ली मासिक समीक्षा बैठक

–उरुवा के 29 परिषदीय विद्यालयों को निपुण विद्यालय सम्मान समारोह में किया गया सम्मानित

–बीईओ उरुवा के कार्यालय सभागार में मार्च महीने की मासिक बैठक संपन्न

मेजा, प्रयागराज। बीआरसी उरुवा के सभागार में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के आदेशानुसार मंगलवार को ६ मासिक बैठक ६ एवं ६ निपुण विद्यालय सम्मान समारोह ६ का आयोजन किया गया। बैठक में विकास खंड उरुवा के परिषदीय विद्यालयों के समस्त प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापकों के साथ बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने लगभग 2 घंटे उनके साथ बैठकर विभागीय कार्यों के संपादन एवं समीक्षा की जानकारी ली और शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का समय से पालन करने को कहा। बैठक में कर्मयोगी प्रशिक्षण, स्कूल चलो अभियान रैली, किताब वितरण, निपुण आकलन, अपार आईडी, डीबीटी, समाचार पत्र, डिजीटल उपस्थिति, यू डाइस पोर्टल पर स्टूडेंट प्रोफाइल व ड्रॉपबॉक्स में पड़े स्टूडेंट को संबंधित विद्यालय में इंपोर्ट करने की समीक्षा, प्रत्येक विद्यालयों द्वारा प्रेरणा पोर्टल पर समय सारणी को अपलोड करना, डीबीटी से संबंधित कार्यों का शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना, शैक्षिक सत्र 2026– 27 में नवीन नामांकन का रजिस्ट्रेशन एवं पुराने छात्रों को प्रेरणा पोर्टल पर सत्यापित किए जाने की समीक्षा, विद्यालयों में चर्चा भवन से संबंधित सूचनाओं की समीक्षा, कंपोजिट धनराशियों का व्यय विवरण विद्यालय की बाहरी दीवारों पर लिखवा जाने के संबंध में जानकारी, एमडीएम के अंतर्गत विद्यालय में मानक के अनुसार रसोईया चयन की स्थिति, विद्यालय समय अवधि के दौरान शौचालय खुले होने की स्थिति तथा विद्यालय निरीक्षण के दौरान शिक्षक डायरी की समीक्षा, गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर समीक्षा व प्रशश्त एप आदि अन्य कई और बिंदुओं पर समीक्षा की गई। ब्लॉक के एआरपी अजीत मिश्रा ने परिषदीय विद्यालयों के सत्र 2025–26 में निपुण घोषित हुए उरुवा ब्लॉक के 29 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की सूची में से नाम पढ़कर एक–एक करके मंच पर बुलाया। एआरपी रामानंद शुक्ल ने बताया कि परियोजना लखनऊ द्वारा उरुवा ब्लॉक के कुल 93 विद्यालयों का निपुण आकलन तीन चरणों में किया गया था,जिसके सापेक्ष कुल 29 विद्यालय परियोजना द्वारा निपुण घोषित किया गया। जिसका रिजल्ट 31□5 प्रतिशत रहा। बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने ब्लॉक के निपुण हुए 29 विद्यालयों जिसमें टूड़िहार, अकोढा, कोड़निया, कोठरी, सिगारों, केवटाही, अछोला, खानपुर, बैदौली, जनवार, सिरसा पश्चिमी, बरी, कठौली, गौराचौकठा, खमिनिया, अरई, भभौरा, हनुमान सहायपूरा, बीरपुर पटखौली, भिगारी, डुहिया, उरनाह, समोगरा, सोनबरसा आदि विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समस्त कार्यक्रम बीआरसी उरुवा के लेखाकार कृष्ण कुमार शुक्ल की देखरेख में संपन्न हुआ। उक्त अवसर पर पूर्व एआरपी राजेश मिश्रा, प्रीतम दास व एआरपी जगदीश मिश्रा, प्रमोद शुक्ला तथा शिक्षक विनोद शुक्ला, जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद पांडेय, पुष्कर द्विवेदी, रविशंकर द्विवेदी, विद्या यादव, माया तिवारी, राजेश कोलहा, अखिलेश दुबे, शकुंतला मिश्रा, प्रदीप तिवारी, स्तुति श्रीवास्तव, सरस्वती द्विवेदी, अल्का शुक्ला, अरुणा जैसल, सुमन सिंह, शिप्रा, रमाकांत यादव, संदीप पांडेय, गिरीश श्रीवास्तव, राजीव लोचन शुक्ला, अनुज श्रीवास्तव, राजेश्वरी सिंह, सुनील सिंह, कृष्णा कांत सिंह व इकबाल अहमद आदि विद्यालयों के शिक्षक व प्रधानाध्यापक उपस्थित रहें।

'बिजली की लाइन से किसी को चोट पहुंचती है तो विभाग जिम्मेदार'

करंट लगने से हाथ गंवाने वाले मजदूर को राहत

प्रयागराज। हाईकोर्ट से करंट लगने से हाथ गंवाने वाले मजदूर को राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि बिजली की लाइन से किसी को चोट पहुंचती है तो इसके लिए विभाग जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि पीड़ित को केवल बिजली के झटके से चोट की बात साबित करनी होती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि करंट से किसी को चोट पहुंचती है तो बिजली विभाग जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। कहा कि इस मामले में कठोर दायित्व का सिद्धांत लागू होता है। इसके अनुसार पीड़ित को केवल यह साबित करना होता है कि उसे बिजली के झटके से चोट आई है।

इसकी जरूरत नहीं कि तारों का ठीक से रखरखाव न होने या कर्मचारियों की लापरवाही से हादसा हुआ।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संदीप जैन की पीठ ने करंट से हाथ गंवाने वाले मजदूर को मुआवजा देने के आदेश के खिलाफ उप्र राज्य पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से दायर विशेष अपील पर दिया है।

पीलीभीत निवासी याची मोहम्मद निसार उर्फ बड़े लल्ला श्रमिक थे। जनवरी 2007 में पूरनपुर कस्बे में अपने घर के बाहर खड़े थे। अचानक

ऊपर से गुजर एचटी लाइन का तार टूटकर उन पर गिर गया। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गए।

वहीं, संक्रमण फैलने से जान बचाने के लिए उनका बायां हाथ काटना पड़ा। इसके अलावा गले और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गहरे घाव हुए। ट्रायल कोर्ट में मुआवजे की मांग कर आवेदन किया। इस पर ट्रायल कोर्ट ने 3,87,500 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया। इस फैसले के खिलाफ उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद ने हाईकोर्ट में विशेष अपील दायर की।

हाथ कटने से श्रमिक की कमाने की क्षमता हो गई खत्म

बिजली विभाग के अधिवक्ता ने दलील दी कि हादसा विभाग की लापरवाही से नहीं हुआ। लाइन टूटने पर बिजली की आपूर्ति स्वतः बंद हो जाती है। करंट लगने का कोई सवाल ही नहीं है। हालांकि, विभाग ने दलीलों के समर्थन में कोई पुख्ता दस्तावेज पेश नहीं किए।

कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पाया कि पीड़ित राजमिस्त्री था। हाथ कटने के बाद उसकी कमाने की क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई। ट्रायल कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि मुआवजा वास्तव में कम था, लेकिन पीड़ित ने उसे बढ़ाने के लिए कोई अपील नहीं की थी। इसलिए हाईकोर्ट ने केवल मौजूदा मुआवजे की पुष्टि की और विभाग को मुकदमे का खर्च सहित भुगतान करने का आदेश दिया है।

यूपी बोर्ड पर भी जंग का असर! संघर्ष लंबा खिंचा तो अगले साल की मार्कशीट पर आएगा संकट

प्रयागराज। मध्य पूर्व में चल रही जंग लंबी खिंचने का असर यूपी बोर्ड के परीक्षार्थियों को मिलने वाले अंक पत्र पर भी पड़ सकता है। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने पिछले साल से ऐसे कागज पर अंक पत्र सह प्रमाणपत्र देना शुरू किया है जो न तो फट सकता है और न ही गलेगा। मार्कशीट में जिस खास मैटेरियल का उपयोग हो रहा है वह क्रूड ऑयल से पेट्रोलियम उत्पादों के निकलने के बाद बचने वाले कचरे से तैयार होता है। चूंकि मध्य पूर्व में जंग के कारण दुनियाभर में क्रूड ऑयल की सप्लाई प्रभावित हुई और भारत भी इससे अछूता नहीं है तो ऐसे में यूपी बोर्ड को खास अंक पत्र उपलब्ध करने वाली एजेंसियों के हाथ–पांव भी फूले हुए हैं।

इस साल जंग से पहले ही अंकपत्र का टेंडर होने के कारण एजेंसियां आर्थिक नुकसान सहकर भी इस साल हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 53 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं को नॉन–टियरेबल (न फटने वाले) अंकपत्र उपलब्ध कराने पर विवश हैं। हालांकि ऐसे ही हालात बने रहे तो अगले साल

मैटेरियल की उपलब्धता में कठिनाई आ सकती है।

इस अंक पत्र की क्या है खासियत?

–यूपी बोर्ड ने पिछले साल से ऐसे अंकपत्र देना शुरू किया है जो फटता नहीं

–अंकपत्र में लगने वाला खास मैटेरियल पेट्रोलियम कचरे से तैयार होता ह

–ईरान–इजरायल संघर्ष के कारण प्रभावित है पेट्रोलियम पदार्थों की सप्लाई

–अंकपत्र के मैटेरियल मिलने में होगी परेशानी

25 से 29 अप्रैल के बीच आ सकता है परिणाम

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम इस बार 25 से 29 अप्रैल के बीच संभावित है। पिछले साल एक अप्रैल तक मूल्यांकन पूरा हो गया था और परिणाम 25 अप्रैल को घोषित हुआ था। इस साल चार अप्रैल तक कॉपियां जांची गई है। इस लिहाज से 25 से 29 के बीच परिणाम घोषित करने की तैयारी चल रही है।

दस अप्रैल तक विवरण में संशोधन का मौका

यूपी बोर्ड की 10वीं–12वीं परीक्षा में पंजीकृत छात्र–छात्राओं के विवरण जैसे नाम, माता–पिता का नाम, विषय, जेंडर आदि में संशोधन के लिए दस अप्रैल तक का मौका है। पिछले साल परिणाम तैयार होने के पहले तक संशोधन की अनुमति दी गई थी। हालांकि इस साल बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने साफ कर दिया है कि दस अप्रैल के बाद संशोधन का कोई मौका नहीं मिलेगा। दस के बाद पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों से प्रमाण पत्र लिया जाएगा कि उनके यहां संशोधन का कोई प्रकरण नहीं है।

घर में घुसकर आरएसएस कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नैनी भाग के धर्म जागरण संयोजक कुलदीप तिवारी पर सोमवार शाम कुछ लोगों ने घर में घुसकर जानलेवा हमला किया। उन्हें गंभीर हालत में रामबाग स्थित एक निजी नर्सिंग होम के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। हमले की जानकारी मिलने पर आरएसएस के कार्यकर्ता व पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। थाना क्षेत्र के एफसीआई रोड जनता एकेडमी के पास आरएसएस नैनी भाग के धर्म जागरण संयोजक कुलदीप तिवारी (65) पत्नी कमला देवी के साथ रहते हैं। कुलदीप सीओडी से सेवानिवृत्त हैं। इन दिनों वे अपने मकान के अगले हिस्से में निर्माण करा रहे हैं। सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति उनके घर के सामने से गुजरा। इस दौरान किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। इसके बाद पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति अपने तीन चार साथियों के साथ उनके घर पहुंचा और उनपर जानलेवा हमला कर दिया। बीचबचाव में उनकी पत्नी पहुंची तो वह भी हमलावरों का शिकार हो गईं। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और बीचबचाव किया। इसके बाद कुलदीप व उनकी पत्नी को सीएचसी चाका ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें रामबाग स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया। वहीं उनकी पत्नी की हालत स्थिर है। पड़ोस में रहने वालों ने बताया कि कुलदीप के दोनों बच्चे विदेश में रहते हैं। वहीं हमले की जानकारी होने पर संघ से जुड़े लोग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी। इसके बाद सक्रिय हुई नैनी पुलिस हमलावरों को थाने ले आई। इंस्पेक्टर नैनी बृज किशोर गौतम ने मामले की जानकारी है। उन्होंने कहा कि किसी बात को लेकर विवाद की बात सामने आ रही है। अभी तक किसी ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

70 लाख की आबादी में 3400 डॉक्टर कर रहे इलाज

प्रयागराज। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना है। इस वर्ष यह दिवस स्वास्थ्य को एक बुनियादी अधिकार के रूप में मनाया जाएगा। आज जहां स्वास्थ्य के अधिकार की बात की जा रही है वहीं शहर के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या कम होने के कारण मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल रहा है। यहां तक कि अस्पतालों में सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को दूसरे शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता है।जिले की लगभग 70 लाख की आबादी में यदि एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व यूनानी अस्पताल व इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) से जुड़े डॉक्टरों की संख्या देखी जाए तो 3400 डॉक्टर प्रत्यक्ष रूप से इलाज कर रहे हैं। इसमें 2000 डॉक्टर एएमए से जुड़े हैं। सरकारी अस्पतालों में 718 डॉक्टरों के पद सृजित हैं, जिसके सापेक्ष 246 डॉक्टरों के पद रिक्त हैं। यानी 2560 लोगों पर औसत एक डॉक्टर हैं। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार 1000 लोगों की आबादी पर एक डॉक्टर होना चाहिए।सीएचसी, पीएचसी में डॉक्टरों के 32.85 फीसदी पद खालीस्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में 25 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और 91 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) संचालित हो रहे हैं। सीएचसी व पीएचसी में डॉक्टरों के सृजित पदों की संख्या 280 है। लेकिन इसके सापेक्ष 92 डॉक्टरों के पद रिक्त हैं। यानी सीएचसी और पीएचसी में 32.85 फीसदी पद खाली हैं।

इविवि की छात्रा का पीछा करने वाले पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बीए की एक छात्रा का लगातार पीछा करने और मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप में कर्नलगंज पुलिस ने एक नामजद व तीन अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। छात्रा की तहरीर के मुताबिक, सारण बिहार निवासी चंदन कुमार अपने तीन अन्य साथियों के साथ बीते एक माह से पीछा कर मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। आरोप है कि 31 मार्च को लाइब्रेरी में छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जबकि विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों की हरकत से तंग आकर छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलानुशासक को लिखित शिकायत की। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

ट्रैक्टर पलटने से युवक की गई जान

प्रयागराज। हॉट मिक्स प्लांट में ट्रैक्टर पलटने से 20 वर्षीय चालक विकास बिंद की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पतुलकी गांव निवासी छैबर बिंद का पुत्र विकास बिंद प्लांट में सुनील सिंह के ट्रैक्टर को

चलाता था। थरवई थाना क्षेत्र के रूदापुर गांव में सोमवार दोपहर मिक्स मटेरियल लदा ट्रैक्टर–ट्रॉली के बीच का गुल्ला टूट गया। इससे ट्रैक्टर पलट गया और विकास की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलने पर परिजन हंगामा करने लगे। सूचना पर थरवई थाना प्रभारी संतोष कुमार पांडेय और एसीपी थरवई अरुण पाराशर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पिता छैबर बिंद की तहरीर के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छह के खिलाफ बलवा समेत मारपीट मामले में एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के देवनीपुर गांव में जमीन के विवाद में रविवार को सुबह दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक पक्ष की तहरीर पर उतरांव पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ बलवा समेत मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्जकर मामले की जांच कर रही हैं। देवनीपुर गांव निवासी रामकिसुन आबादी की जमीन पर निर्माण कार्य कर रहे थे। जिसका दूसरे पक्ष के

कमला शंकर ने विरोध करते हुए दीवार की ईंट को गिरा दिया। प्रथम पक्ष के भाभी बिंदु देवी और बुकेला ने विरोध किया, तो गाली–गलौज करते हुए दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी–डंडे से घर में घुसकर उनकी पिटाई की। रामकिसुन की तहरीर पर पुलिस ने दूसरे पक्ष के कमला शंकर, सत्य धारी, रामधारी, विमला देवी, मीरा देवी, जीरा देवी सहित छह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमीन के विवाद में महिला से मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। जमीन के विवाद में चार महिलाओं ने मिलकर एक महिला को पीट दिया। पीड़िता ने चार महिलाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम शहबाजपुर निवासी फूलकली का आरोप है कि उसकी पुश्तैनी जमीन पर विपक्षी महिलाएं निर्माण कार्य करा रही थी। विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। फूलकली ने अनीता देवी, सुनैना देवी, रंजना देवी और रेखा देवी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मऊआइमा के कारोबारी की प्रतापगढ़ में हादसे में मौत, साथी घायल

प्रयागराज। बाइक से प्रतापगढ़ के कुंडा जाते समय रविवार को देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से मुर्गा कारोबारी की मौके पर मौत हो गई, जबकि साथी घायल हो गया। घायल को मऊआइमा में भर्ती कराया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम किरांव निवासी मुअज्जम अली उर्फ शेबू (28) पुत्र ननकू मुर्गा कारोबारी था। वह अपने मित्र ग्राम पूरे मती निवासी शेबू उर्फ

मोहम्मद शमीम (25) पुत्र मोहम्मद इस्लाम के साथ बाइक से रविवार देर शाम प्रतापगढ़ के कुंडा जा रहा था। जैसे ही दोनों लखनऊ प्रयागराज हाईवे के ग्राम मझिलगांव के निकट पहुंचे कि अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मुअज्जम की मौके पर मौत हो गई। जबकि साथी शेबू घायल हो गया। सूचना पर पहुंची कुंडा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि शेबू को मऊआइमा के ग्राम बागी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। सोमवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद जब शव घर पहुंचा तो परिजनों में चीखपुकार मच गई।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के धरवारा गांव के डाभी मजरे में सोमवार को ससुराल में फंदे से विवाहिता अंतिमा का शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष ने मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। घूरपुर बाजार निवासी मृतका के पिता फूलचंद ने आरोप लगाते हुए बताया कि बेटी ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले फोन पर अपने साथ मारपीट की जानकारी दी थी। अंतिमा ने पिछले वर्ष जून माह में संदीप कुमार से प्रेम विवाह की थी। उसका एक माह का बेटा भी है। फूलचंद ने आरोपी पति के खिलाफ करछना थाने में दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

भूगोल विभाग में पर्यावरण विषयक व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के भूगोल विभाग द्वारा आज एक विशिष्ट अतिथि व्याख्यान (ळनमेज स्मबजनतम) का सफल आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय था भारत में पर्यावरणीय नीतियाँ पर्यावरणीय शासन की संरचना" म्दअपतवदउमदजंस च्वसपबपमे पद प्दकपंरू द ́तबीपजमबजनतम व ि मदअपतवदउमदजंस हवअमतदंदबम, जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ अखिलेश कुमार सिंह तथा दिशानिर्देश एवं मार्गदर्शन अधिष्ठाता कला संकाय प्रो विवेक कुमार सिंह के द्वारा की गई । भूगोल विभाग की

कोर्स समन्वयक डॉ श्वेता श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. किरण कुमारी सिंह, सह–प्रोफेसर, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहीं। अपने व्याख्यान में डॉ. सिंह ने भारत की पर्यावरणीय नीतियों की संरचना, विकास, एवं उनके क्रियान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने पर्यावरणीय शासन (म्दअपतवदउमदजंस ळवअमतदंदबम) के विभिन्न आयामों को स्पष्ट करते हुए यह बताया कि किस प्रकार नीतियाँ, संस्थागत ढाँचा एवं जनभागीदारी मिलकर सतत विकास (ैनेजंपदंइसम क्मअमसवचउमदज) को सुनिश्चित करते हैं। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, नीति निर्माण प्रक्रिया, तथा वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के संदर्भ में गहन जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नारायण दत्त तिवारी द्वारा किया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ नैमिषा सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। भूगोल विभाग के समन्वयक डॉ श्वेता श्रीवास्तव एवं समस्त संकाय सदस्यों ने इस सफल आयोजन के लिए डॉ. किरण कुमारी सिंह का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

घरौनी योजनाः हक की उम्मीद या कागजों में कैद हकीकत?

मथुरा सहित प्रदेश के कई जिलों में घरौनी (स्वामित्व) योजना को लेकर जो उम्मीदें ग्रामीणों ने संजोई थीं, वे अब धीरे–धीरे निराशा में बदलती नजर आ रही हैं। गांवों की आबादी भूमि पर स्पष्ट मालिकाना हक देने की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य जितना सराहनीय था, उसका क्रियान्वयन उतना ही सवालों के घेरे में आ गया है। एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने घरौनी दस्तावेज से वंचित हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। आखिर ऐसा क्या कारण है कि सर्वे पूरा होने के बावजूद दस्तावेज वितरण की प्रक्रिया ठप पड़ी है? सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि घरौनी का वितरण केवल उद्घाटन कार्यक्रमों तक सीमित नजर आता है। कुछ चुनिंदा लोगों को प्रमाण पत्र देकर योजना की सफलता का प्रचार किया गया, लेकिन वास्तविक लाभार्थी आज भी तहसीलों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। यह स्थिति कहीं न कहीं इस आशंका को जन्म देती है कि क्या योजना का उद्देश्य वास्तव में ग्रामीणों को अधिकार देना था, या केवल कागजी उपलब्धि दिखाना? ग्रामीणों की शिकायतें केवल देरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे प्रशासन की नीयत पर भी सवाल उठा रहे हैं। जब एक योजना का लाभ समान रूप से सभी पात्रों तक नहीं पहुंचता, तो स्वाभाविक है कि पारदर्शिता और निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न हो।

यह भी सच है कि किसी भी बड़े सरकारी कार्यक्रम में तकनीकी अड़चनें और प्रक्रिया संबंधी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय तक समाधान न निकल पाना प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन केवल आश्वासन देने के बजाय जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई करे। लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण, पारदर्शी प्रक्रिया और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों का विश्वास दोबारा बहाल हो सके। घरौनी योजना केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि ग्रामीणों के सम्मान और अधिकार से जुड़ा मुद्दा है। यदि इसे गंभीरता से लागू नहीं किया गया, तो यह योजना भी अन्य योजनाओं की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगी। समय की मांग हैकृनियत साफ हो, प्रक्रिया तेज हो और हर पात्र ग्रामीण को उसका हक समय पर मिले।

ग्रेटर नोएडा में 26.1 एकड़ में बनेगा मेट्रो विश्वविद्यालय, यूपी मंत्रिमंडल ने छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए स्थापना को दी मंजूरी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने एक महत्वपूर्ण फैसले के तहत ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत श्मेट्रो विश्वविद्यालयश की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि यह फैसला उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत लिया गया है। उन्होंने बताया कि अधिनियम के तहत निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, उनके विनियमन एवं संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपाध्याय ने बताया कि प्रायोजक संस्था श्सनहिल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड नोएडाश द्वारा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से आवंटित 26.1 एकड़ भूमि पर मेट्रो विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे विधिक प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण के बाद स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची में संशोधन करते हुए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू किए जाने तथा प्रायोजक संस्था को संचालन प्राधिकार–पत्र निर्गत करने का निर्णय लिया गया है।

वृंदावन में सीएम योगी का बयान–

भारत के सनातन राजा राम हैं

संत मलूकदास जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, ऐतिहासिक और धार्मिक मुद्दों पर दिया संबोधन

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वृंदावन में आयोजित संत मलूकदास की 452वीं जयंती समारोह में भाग लेते हुए कई ऐतिहासिक और धार्मिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि "भारत के सनातन राजा राम हैं, और कोई नहीं।"

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में संभल स्थित हरिहर मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1526 में बाबर के अनुयायियों द्वारा मंदिर को तोड़ा गया था। उन्होंने बताया कि उस स्थल पर 67 तीर्थ और 19 कूप मौजूद थे। साथ ही उन्होंने 1976 और 1978 में हुए दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं में सैकड़ों हिंदुओं की जान गई थी और बाद में सपा सरकार में मुकदमे वापस करा दिए गए।

सीएम योगी ने कहा कि अब उस क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। वहां सड़क और धर्मशाला का निर्माण कराया जा रहा है तथा परिक्रमा भी शुरू कराई जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर उपस्थित संतों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी संत मलूकदास जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर शाम करीब 4रू15 बजे वृंदावन स्थित पवनहंस हेलीपैड पर उतरा। उनके आगमन की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर सक्रिय नजर आए। कार्यक्रम से पहले मथुरा में तेज आंधी और बारिश के कारण आयोजन स्थल पर लगाए गए टेंट प्रभावित हो गए थे, जिन्हें बाद में प्रशासन द्वारा ठीक कराया गया, जिसके बाद कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस पर कल्याणी देवी स्थित भाजपा से पूर्व विधायक रहे पंडित उदय भान करवरिया संगोष्ठी का आयोजन किया।

भाजपा से पूर्व विधायक उदय भान करवरिया जी ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता भाजपा को पार्टी स्थापना दिवस की शुभ कामनाएं देते हुए संगठन की विकास यात्रा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 5 लोगों से शुरू हुई भारती जनता पार्टी आज 18 करोड़ लोगों की पार्टी बन चुकी है। आज हम विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के कार्यकर्ता हैं। भाजपा किसी व्यक्ति की नहीं विचारधारा की पार्टी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रखर राष्ट्रवादी संकल्प,पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' दर्शन और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के उदात्त नेतृत्व से प्रेरित भारतीय जनता पार्टी 'राष्ट्र सर्वोपरि' के उस मूल भाव का प्रतीक है, जिसने राजनीति को सेवा, समर्पण और जनकल्याण का माध्यम बनाया है। असंख्य कार्यकर्ताओं के तप, त्याग और निष्ठा ने भाजपा को लगवा एक ऐसे विराट वटवृक्ष में परिवर्तित किया है, जो नए भारत की आकांक्षाओं का सशक्त प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के युवा नेतृत्व में भाजपा सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ 'विकसित भारत' की दिशा में निरंतर अग्रसर है। यह साफ है कि भाजपा ही वर्तमान है और भाजपा ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा किराष्ट्रवादी चिंतन और वैचारिक प्रेरणा से बनी भारतीय जनता पार्टी की स्थापना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प था। अंतिम पंक्ति के कल्याण की मूल भावना के साथ शुरू हुई भाजपा ने मोदी जी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, भाजपा ने लोक तंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त व सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देश वासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक माननीय पंडित उदयभान करवरिया ने कहा कि चाहे देश की सीमाओं को सुरक्षित करना हो, आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाना हो, विकास के नए मानदंड स्थापित करना हो या भारतीय संस्कृति की ऐतिहासिकता और प्राण तत्व को पुनरू जागृत करना हो – भाजपा ने अपने इन सभी संकल्पों को चरितार्थ करके दिखाया है। मान्यनी विधायक ने इस कार्यक्रम में आय सभी अतिथियों को अंग वस्त्र पहनाकर कार्यक्रम के दौरान जनसंघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता को संबोधित किया इस कार्यक्रम में उपस्थित आदि बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में विश्व होम्योपैथी सप्ताह का समापन हुआ

ताडेपल्लीगुडेम । एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, ताडेपल्लीगुडेम में पिछले एक सप्ताह से चलने वाले विश्व होम्योपैथी सप्ताह का आज भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का समापन उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के सहयोग से कॉलेज परिसर में आयोजित एक विशाल निःशुल्क मेगा डायग्नोस्टिक शिविर के साथ हुआ। इस समापन सत्र में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा कि यद्यपि होम्योपैथिक चिकित्सा की शुरुआत जर्मनी में डॉ. सैमुअल हैनीमैन ने की थी, लेकिन यह आज भारतीय जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है। आज यह केवल एक विदेशी विज्ञान नहीं बल्कि सभी भारतीयों द्वारा स्वीकृत भारतीय होम्योपैथी में बदल गया है। डॉ. पिंगली ने कहा कि यह आम आदमी को बहुत कम कीमत पर और बिना किसी दुष्प्रभाव के गुणवत्तापूर्ण दवा उपलब्ध करा रही है। यह कहते हुए कि भारत होम्योपैथी के क्षेत्र में दुनिया के लिए दिशासूचक बन गया है, डॉ. पिंगली ने कई प्रमुख आंकड़ों का खुलासा किया। भारत में वर्तमान में 20 करोड़ से अधिक लोग नियमित रूप से होम्योपैथिक चिकित्सा का उपयोग कर रहे हैं। 3 लाख से अधिक पंजीकृत डॉक्टरों और 300 से अधिक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों के साथ भारत में दुनिया की सबसे बड़ी चिकित्सा प्रणाली है। उन्होंने बताया कि होम्योपैथी को दुनिया में दूसरी सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है और भारत इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समापन समारोह के दौरान शिविर में साइलेंट किलर कही जाने वाली बीमारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसमें शामिल हैंरू– ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे का पता लगाने के लिए बोन डेंसिटी टेस्ट (बीएमडी टेस्ट) किया गया।– मधुमेह (भ्इ।1ब), लिपिड प्रोफाइल, थायरॉयड जैसे व्यापक चयापचय परीक्षण आयोजित किए गए। मोटापा, उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी समस्याओं के लिए निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया। डॉ. पिंगली ने केंद्र सरकार के आयुष विभाग द्वारा दिये गये प्रोत्साहन की सराहना करते हुए न्होंने कहा कि होम्योपैथिक इलाज के लिए विदेशी भी भारत आ रहे हैं और इससे मेडिकल टूरिज्म में काफी योगदान मिलेगा। डॉ. पिंगली ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पूरे सप्ताह आयोजित ग्रामीण चिकित्सा शिविरों ने लोगों के स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी का संदेश घर–घर पहुंचाया। उन्होंने सहयोग के लिए राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग को धन्यवाद दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉलेज की नियमित ओपीडी (ओपीडी), पेरिफेरल ओपीडी और इन–पेशेंट विभाग (आईपीडी) जनता को निरंतर समर्पित और अत्यधिक सटीक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी।

नाका में इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी भीषण आग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के नाका थाना क्षेत्र में बाजार के अंदर मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। इलेक्ट्रॉनिक सामान के दो गोदामों से जोरदार धुआं निकलने लगा। लोगों ने यह देख पहले डायल–112 फिर फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना के बाद हजरतगंज और आलमबाग फायर स्टेशन से 2–2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझानी शुरू की। काफी देर तक बाहर से ही फायर टेंडर चलाए। जब धुआं कम हुआ तो शटर तोड़कर आग बुझाई। इस पूरे एक्शन में 40 मिनट से ज्यादा समय लगा। महिमा इलेक्ट्रॉनिक नाम का गोदाम सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। गोदामों के अंदर रखे सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। एफएसओ राम कुमार राठव ने बताया कि आग सूचना कंट्रोल रूम से मिली थी। मौके पर पहुंचे तो देखा कि आग ज्यादा बड़ी थी तो अतिरिक्त गाड़ियां बुलानी पड़ीं।

कलियों की मुस्कान

दौलत से जिनकी नहीं, होती है पहचान।
खुशबू है वह फूल की, कलियों की मुस्कान।
कलियों की मुस्कान,निभाती रस्में सारी।
पंखुरियाँ को सजा, उन्हीं पर होती वारी।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रकृति भी करे मुरौअत।
रहती जिनके पास,सदा खुशबू की दौतत।।

अति रहस्यमय ज़िन्दगी, कोमल सरस स्वभाव।
चाहे जिसका फूल हो, सबका रखे ख़याल।
सबका रखे ख़याल, कभी गेंदा वह बनकर।
बने कभी वह धान, कभी गेहूँ सा सजकर।
सुन लो कहें प्रदीप, सदा वह बनकर प्रत्यय।
रहकर सबके साथ, महकता है रहस्यमय।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विदाई समारोह और वार्षिकोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

प्रतापगढ़। कंपोजिट स्कूल दिवैनी मांधाता प्रतापगढ़ के प्रधानाध्यापक श्री जावेद आलम 40 वर्ष 9 दिन की सकुशल सेवा देने के बाद 31 मार्च 2026 को सेवानिवृत्ति के पश्चात विद्यालय के प्रांगण में विदाई समारोह एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को संपन्न किया गया। जिसके मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी मांधाता श्री प्रभाकर यादव ने कहा कहा कि श्री जावेद आलम एक अनुशासन प्रिय शिक्षक थे सभी शिक्षकों आपसे प्रेरणा लेनी चाहिए संचालन करते हुए श्री राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता आप आज से सेवानिवृत ना होकर आज से आप और बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे ।हम सभी चाहते हैं और विश्वास है कि आप ईसी तरह हम लोगों कामार्गदर्शन करते रहेंगे ।जिला मंत्री श्री विनय सिंह ने कहा कि आप ब्लॉक ही नहीं बल्कि पूरे जिला के प्रेरणा स्रोत रहे हैं, समय–समय पर हम सबआप के अनुभव का लाभ लेते रहेंगे ।कार्यक्रम में श्री रामानंद पन्नालाल रिटायर्ड मास्टर मंसूर अहमद रिटायर्ड मास्टर संजय पांडे डा रमेश मिश्रा फहरीन रमाशंकर सत्यजीत वीरेन्द्र तथा समस्त ए आर पी एस आर जी आशुतोष निर्मल सहित मल्हूपुर न्यायपंचायत के शिक्षक /शिक्षिका उपस्थिती रहे। एस आर जी, आशुतोष निर्मल ने राष्ट्रीय आय एकीकृत परिक्षा 2025–26 मेंविद्यालय कुल सफल 9 छात्रों को मेडल ,सर्टिफिकेट तथा सामान्य ज्ञान पुस्तक से सम्मानित किया गया ।अब तक कुल 30 छात्रों ने इस विद्यालय से राष्ट्रीय आय की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं।

नई रेनो डस्टर लखनऊ में लॉन्च

लखनऊ। रेनो इंडिया ने लखनऊ में एमजी चौरियट्स, हजरतगंज स्थित शोरूम में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान नई डस्टर एसयूवी को लॉन्च किया। इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 10.49 लाख (एक्स–शोरूम) रखी गई है, और देशभर में इसकी डिलीवरी शुरू हो चुकी है। इस वाहन का अनावरण समाजवादी पार्टी महिला विंग की अध्यक्ष जूही सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर एमजी चौरियट्स के डीलर प्रिंसिपल आशीष अग्रवाल और वंदिता अग्रवाल अपने परिवार के सदस्यों के साथ उपस्थित रहे। रेनो इंडिया की ओर से त्ैड रमन और एरिया सेल्स मैनेजर जितेश सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। रेनो ग्रुप मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (त्ळडच) पर निर्मित नई डस्टर को भारतीय सड़क परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया गया है, जो बेहतर मजबूती, आरामदायक ड्राइविंग अनुभव और उत्कृष्ट हैंडलिंग प्रदान करती है। इसमें टर्बो ज्ब्म 160 इंजन दिया गया है, जो 163 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह मैनुअल और ऑटोमैटिक (क्ब्ज) दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों में उपलब्ध है।

इस एसयूवी में पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, ड्यूल–ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 360–डिग्री कैमरा और 17 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (।क्।) जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। साथ ही, व्मदत्पदा इंफोटेनमेंट सिस्टम में गूगल बिल्ट–इन के साथ एक आधुनिक और कनेक्टेड ड्राइविंग अनुभव मिलता है। नई डस्टर पाँच वेरिएंटकृ ऑथेंटिक, एवोल्यूशन, टेक्नो, टेक्नो+ और आइकॉनिककृमें उपलब्ध है, जो विभिन्न ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं : 74-डब्लू-सीएसपी-26-27-01 दिनांक : 03.04.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उमरे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0 : 74-W-CSP-26-27-01	अनुमानित मूल्य (रू.) : 202.03 लाख
कार्यों का विवरण : सीएसपी/एसएचजी/पीआरवाईजे को ग्रेनाइट पत्थर के 20 मिमी और 10 मिमी आकार की गिट्टी और नदी की मोटी रेत की आपूर्ति।	
बयाने की रकम (रू.) : 404100.00	कार्य समापन की अवधि : 36 महीना
निविदा खुलने की तिथि : 27.04.2026	
समकक्ष कार्य : मशीन क्रश्ड स्टोन बैलास्ट/मशीन क्रश्ड कोर्स स्टोन एग्रीगेट की आपूर्ति	

नोट : 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेंडरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें पेज पर प्रविष्ट एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को IREPS Module पर Annexure-V ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। 5. विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों को देखें। 6. बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 8. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। 9. माल और/सेवाओं के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी.एस.टी. अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। 10. रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित/स्थगित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 11. निविदाकर्ता को निविदा खुलने से पहले (सम्मिलित) अपलोड किए जाने वाले एनआईटी/निविदा दस्तावेज के शुद्धिपत्र/परिशिष्ट के लिए वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसके लिए कोई अलग सूचना नहीं दी जाएगी।

745/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

संकट के वक्तसत्र-सत्र का खेल

केंद्र सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाने का फैसला लिया है। संसदीय व्यवस्था यह है कि संसद का विशेष सत्र आमतौर पर तब बुलाया जाता है जब सरकार को किसी महत्वपूर्ण विधायी कार्य, राष्ट्रीय मुद्दे, या आपातकालीन स्थिति पर तत्काल चर्चा या निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। मोदी सरकार नारी शक्ति वंदन अधि ानियम को पारित करवाने के लिए 2023 में ऐसा सत्र बुला चुकी है, इससे पहले 30 जून 2017 को जीएसटी लागू करने के लिए भी संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। लेकिन इस बार बजट सत्र के फौरन बाद ही तीन दिन का सत्र बुलाया जा रहा है। अब यह विशेष सत्र कहलाएगा या नहीं, इस पर सवाल है, क्योंकि 2 अप्रैल को बजट सत्र समाप्त होना था, लेकिन अब इसे महिला आरक्षण बिल से संबंधित विशेष कार्यों के लिए स्थगित कर दिया गया है। तो चाहें इसे विशेष सत्र कहें या बजट सत्र का ही हिस्सा मानें, कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि असली सवाल तो यह है कि इस तीन दिन के सत्र से देश क्या हासिल करने जा रहा है। और क्यों पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच में सरकार को इस सत्र की आवश्यकता पड़ी? अभी 9 अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान हो जाएंगे, लेकिन तमिलनाडु में 23 अप्रैल और प.बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट पड़ने वाले हैं। भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन चुके इन दो महत्वपूर्ण राज्यों में चुनावों से ठीक पहले संसद का यह सत्र बुलाने पर अब भाजपा की नीयत पर सवाल उठ रहे हैं। दोनों राज्यों में आचार संहिता लागू रहेगी, यानी कोई महत्वपूर्ण घोषणा, उद्घाटन, शिलान्यास जैसे कार्य फिलहाल सरकारें नहीं कर पाएंगी। तो क्या संसद के जरिए इन दोनों राज्यों की महिला मतदाताओं को साधने की कोई चालाकी की जा रही है। याद रहे कि बिहार में इसी तरह रोजगार सहायता के नाम पर 10–10 हजार रुपए महिलाओं के खाते में डाले गए थे, उस पर विपक्षी दल बेईमानी और आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाते रहे, लेकिन इसे रोकने की हिम्मत उन संवैध ानिक संस्थाओं ने नहीं दिखाईं, जिन पर लोकतंत्र की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव कराने की महती जिम्मेदारी है। बहरहाल, 16,17,18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाने के पीछे चार कारण बताए जा रहे हैं' 1.महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को 2027 की जनगणना से अलग करना,2.लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का विस्तार, अर्थात सीटें बढ़ाना,3. महिलाओं के लिए विस्तारित लोकसभा में 273 सीटें आरक्षित करना,और 4. 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करके परिसीमन करना, साथ ही राज्यवार अनुपात को बनाए रखना। देश की बढ़ती आबादी के मुताबिक निर्वाचन क्षेत्रों में बदलाव जरूरी है, और महिलाओं का प्रतिनिधित्व संसद और विधानसभा में बढ़ाना भी अत्यंत आवश्यक है। लेकिन इसके लिए यही वक्त क्यों चुना गया। 2023 से नारी शक्ति वंदन अधि ानियम पारित हो चुका है और कोरोना काल बीते भी छह साल हो गए हैं। जनगणना 2021 में न सही, 2022 या 2023 तक तो कराई ही जा सकती थी। लेकिन सरकार इसे टालती रही और अब जाकर इसकी प्रक्रिया शुरु हुई है। 2027 तक जनगणना पूरी होगी, ऐसी उम्मीद है। उसके बाद भी सरकार के पास सत्ता के दो साल बचे ही रहेंगे। फिलहाल तो जिस तरह नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू या बाकी एनडीए सहयोगियों पर भाजपा का दबदबा बना हुआ है, उसमें मध्यावधि चुनाव की संभावना भी नहीं है। तो सरकार पहले जनगणना पूरी करवा लेती, फिर ताजा आंकड़ों के मुताबिक परिसीमन पर फैसला लेती और उस के बाद महिला आरक्षण को लागू करवाती, तो यह तार्किक प्रक्रिया लगती। लेकिन अभी फिर यही नजर आ रहा है कि जैसे हड़बड़ी में जीएसटी लागू कर दिया गया था और फिर बार–बार इसमें बदलाव हुए, या नोटबंदी लागू करने के बाद बैंक से पैसे निकालने की मियाद बढ़ाई जाती रही, वैसा ही हश्र इस बार भी होने वाला है। दरअसल मोदी सरकार के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि वह किसी भी फैसले में विपक्ष को साथ लेना जरूरी नहीं समझती है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बताया है कि 16 से 26 मार्च के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू के बीच पत्र व्यवहार हुआ, जिसमें श्री खड़गे ने किरण रिजीजू से मांग की कि 29 अप्रैल को चुनाव खत्म होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए ताकि संविधान संशोधन पर चर्चा हो सके। लेकिन जाहिर है इस मांग को नजरंदाज कर सरकार ने सत्र बुलाने का इकतरफा फैसला ले लिया। सरकार इसके पीछे महिला आरक्षण को लागू करने का तर्क दे, लेकिन ऐसा लग रहा है कि सत्र का असली मकसद 2027 की जनगणना से पहले और 2029 के आम चुनावों से ठीक पहले विधायिका के विस्तार या परिसीमन को आगे बढ़ाना है। दक्षिण भारत के राज्यों में उत्तर की अपेक्षा आबादी कम है और उन्हें चिंता है

भय से विश्वास तक, एक युगांतकारी परिवर्तन

बृजमोहन अग्रवाल

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुंच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्तिऔर केंद्र–राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाध ान किया है। नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनरू स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततरू लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आयाकृइसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततरू इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया। इस ऐतिहासिक क्षण पर मैं उन सभी वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूंकृ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और स्थानीय सुरक्षाबलों के उन रणबांकुरों कोकृजिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से इस संघर्ष को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाया। यह विजय उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की अमिट गाथा है। भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने श्सॉफ्ट टारगेट्सश की तलाश शुरू कीकृऐसे क्षेत्र जहां शासन की पहुंच सीमित हो, सामाजिक–आर्थिक चुनौतियां अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित श्रेड कॉरिडोरश विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियां सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया। समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहां तथाकथित श्जन अदालतोंश के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया। छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएं, तेंदूपत्ता व्यापारकृसभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहां तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी। यह उगाही धीरे–धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुंचने की चर्चा होने लगी। सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया। नक्सलवाद के वैचारिक समर्थन की राजनीतिक पृष्ठभूमि दुर्भाग्य से, कांग्रेस–नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक–आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई।

उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियां भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं। इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया। मेरे प्रारंभिक अनुभव छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई। 1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून–व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया। वर्ष 2003 से 2006 के बीच, जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला, तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस, नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। श्ज्वाइंट एफर्ट, ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसीश के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए। तात्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल जी के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएं हुई थीं। उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विध ानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया, ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तात्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय जी की अध यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार साथियों को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरुआत हुई।

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का एक बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर–घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया। जनजातीय समाज को यह समझाया गया कि नक्सल नेतृत्व में स्थानीय छत्तीसगढ़ी आदिवासियों की भागीदारी शून्य है। जल जंगल जमीन के नारों की आड़ में हमारे भोले–भाले आदिवासियों का उपयोग केवल एक साधन के रूप में किया जा रहा था। यह भी सामने आया कि नक्सलियों के द्वारा आदिवासी युवतियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था, उन्हें शोषण का शिकार बनाया जाता था,

आधी आबादी की सदन में बढ़ेगी भागीदारी

प्रेम शर्मा

सरकार नारी शक्ति वंदन अधि ानियम (106वां संवैधानिक संशोध ान अधिनियम) में तत्काल प्रभाव से संशोधन लाने की संभावना है, जिसके तहत लोकसभा , राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विध ानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत (एक तिहाई) आरक्षण अनिवार्य है। यह कोटा अब नए परिसीमन (निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण) के पूरा होने से पहले ही लागू हो जाएगा। वर्तमान अधिनियम के अनुसार, इसे 2029 में लागू किया जाना था, इसलिए यह बदलाव किया जा रहा है। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर मतदान का अधिकार देकर एक स्वच्छ राजनीति परम्परा की शुरूआत की थी। लेकिन राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी आज भी दयनीय है। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। सम्भव है कि इस बार मोदी सरकार कुछ ऐतिहासिक कर पाए। मोदी सरकार लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी की संवैधानिक व्यवस्था को शीघ्र लागू करना चाहती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 आगामी जनगणना के पश्चात होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू होना है। वर्ष 2027 में जनगणना और 2028 में परिसीमन होगा। इसमें दो वर्ष का समय लगेगा। इस स्थिति में 2030 से ही महिला आरक्षण लागू हो सकेगा और लोकसभा चुनाव में तो 2034 से लागू हो पाएगा। इस हिसाब से महिलाओं को 33 प्रतिशत राजनीतिक हिस्सेदारी देने में 8 से 11 वर्ष का समय लग सकता है लेकिन मोदी सरकार परिसीमन की अनिवार्यता से महिला आरक्षण को मुक्त कर उसे जल्द लागू करना चाहती है। वैसे भी वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5 प्रतिशत थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए।आधी आबादी को विध ानसभा एवं लोकसभा में प्रतिनिधि ात्व देने की यह पहल स्वागतयोग्य है। लागू परिसीमन के अनुसार सभी राज्यों में अभी 4,123 विधायक हैं, जिनमें 392 महिलाएं हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण से उनकी संख्या बढ़कर 1,300 से अधिक हो जाएगी। वर्तमान लोकसभा में 75 महिलाएं हैं। आरक्षण के प्रविधान के बाद 2029 के लोकसभा चुनाव में 181 महिलाएं चुनी जाएंगी। यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण का ऐतिहासिक अवसर होगा। जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है। मौजूदा लोकसभा में महज 14 प्रतिशत महिला सांसद और विध ानसभाओं में केवल 10 प्रतिशत महिला विधायक होना आधी आबादी के हिसाब से नैसार्गिक न्याय के विपरीत है। गत दिवस पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील करते हुए कहा कि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास होना चाहिए। वैसे तो आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए।नारी शक्ति वंदन अधि ानियम महिलाओं की राजनीति में कम हिस्सेदारी को सुधारने का प्रयास है। आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वैसे भी 'आधी आबादी' की पूरी आजादी और नारी सशक्तीकरण की बात तब तक पूरी नहीं होगी जब तक संसद और राज्य विधायिका में महिलाओं के लिए कम–से–कम एक–तिहाई राजनीतिक प्रतिनिधित्व आरक्षित व सुनिश्चित न हो जाए।यह भी सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं की हिस्सेदारी केवल उपस्थिति तक सीमित न रहे।

सीमा वर्णिका की कलम से

'अदृश्य लकीरें'

ऑफिस में मीटिंग खत्म होते–होते काफी देर हो गई थी। प्रिया तेजी से बाहर निकली।

'अरे ! बारिश शुरू हो गई,' उसने आकाश की ओर देखते हुए बुदबुदाया।

उसे खड़े–खड़े काफी देर हो गई थी। दूर–दूर तक कोई साधन नजर नहीं आ रहा था। धीरे–धीरे वह आगे बढ़ने लगी बारिश तेज होती जा रही है । उसकी छतरी हवा से पलट जा रही थी। वह पूरी तरह भीग गई थी। तभी एक कार आकर रुकी।

'अरे ! भाभी जी ..आप कहाँ भीग रहीं हैं.. आइए गाड़ी में बैठिए.. हम उधर ही जा रहे हैं,' मिश्रा जी शीशा खोल कर झाँकते हुए बोले।

'ओहह आप.. नमस्कार भाई साहब .. अरे ! आप परेशान न हो हम चले जाएंगे,' प्रिया कहते हुए आगे बढ़ ली।

'अरे भाभी बहुत पानी है ..कोई साधन भी नहीं मिलेगा.. आप हमारे साथ चलिए हम छोड़ देंगे,' मिश्रा जी आग्रह कर रहे थे।

बिजली चमक रही थी.. बादलों की गड़गड़ाहट दहशत उत्पन्न कर रही थी.. बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी ।

'भाई साहब..बहुत धन्यवाद.. बुरा मत मानिएगा... हम खुद चले जाएंगे,' प्रिया थोड़ा कठोर होते हुए बोली और तेज कदमों से आगे बढ़ गई ।

'मैं आपके साथ जाना चाहती थी.. पर क्या करूँ.. इस भारी बरसात और तूफानी रात को झेलना फिर भी आसान है ..घर और समाज को झेलना नामुमकिन..मुझमें इन अदृश्य लकीरें लाँघने की हिम्मत नहीं,' प्रिया मन ही मन बड़बड़ाते हुए .. चारों तरफ पसरे सन्नाटे और भयावह रात को देख रही थी।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, एक आंदोलन की गाथा

तरुण चुघ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल एक राजनीतिक दल नहीं, यह उस विचार की जीवंत अभिव्यक्ति है जो सदियों से इस देश की आत्मा में बसा है–राष्ट्र सर्वोपरि है, अंत्योदय हमारा धर्म है और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हमारी पहचान है। जब 6 अप्रैल, 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई, तो यह केवल एक नए राजनीतिक संगठन का जन्म नहीं था, यह उन करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाओं का संगठन था, जो चाहते थे कि इस देश की राजनीति में ईमानदारी हो, विचार हो और राष्ट्र के प्रति समर्पण हो। आज जब हम अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं, तो यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि उस यात्रा के स्मरण और उस संकल्प के नवीनीकरण का है, जिसने भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाया। भाजपा की वैचारिक जड़ें उस मिट्टी में हैं, जिसे पं. दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानव दर्शन के रूप में सींचा। दीनदयाल जी ने यह स्पष्ट किया था कि भारत की राजनीति का केंद्र ङ्क्षबदू वह अंतिम व्यक्ति होना चाहिए, जो समाज की सबसे निचली पायदान पर खड़ा है। अंत्योदय की यह परिकल्पना भाजपा के लिए कोई चुनावी नारा नहीं, बल्कि एक जीवन–दर्शन है। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना से लेकर कश्मीर के लिए अपने प्राणों की आहुति देने तक, यह सिद्ध किया कि राष्ट्रीयता का अर्थ केवल वोट की राजनीति नहीं, बल्कि मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की तत्परता है। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इस विचार को जन–जन तक पहुंचाया। उनकी वाणी में कविता थी, उनके कार्य में दृष्टि थी और उनके नेतृत्व में भारत को एक परमाणु शक्ति के रूप में विश्वपटल पर स्थापित करने का साहस था। लाल कृष्ण अडवानी जी ने रथयात्रा निकाली तो सिर्फ मंदिर आंदोलन नहीं जगाया, उन्होंने उस समाज को जगाया, जो दशकों से अपनी ही भूमि पर उपेक्षित था। 1984 में देश में सहानुभूति की लहर में भाजपा को केवल 2 सीटें मिलीं, तो कई लोगों ने इस दल को इतिहास की धूल में दफन समझ लिया था। लेकिन उस पराजय ने भाजपा के कार्यकर्त्ताओं को तोड़ा नहीं, बल्कि और मजबूत किया। बूथ से लेकर राष्ट्र तक संगठन की नींव रखी गई, कार्यकर्त्ताओं ने मेहनत की पराकाष्ठा की और फिर वह दिन आया, 2014, जब नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने 282 सीटें जीतीं, 3 दशक बाद देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई और भारत की राजनीति का कायाकल्प हो गया। 2019 में 303 सीटों के साथ यह सिद्ध हो गया कि यह लहर नहीं, जनता का स्थायी विश्वास है। 2024 में एन.डी.ए. के साथ तीसरी बार सत्ता में आना यह प्रमाण है कि भारत की जनता ने भाजपा को अपनी नियति के साथ जोड़ लिया है। आज भाजपा 15 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। मोदी जी ने एक नई शासन संस्कृति की नींव रखी, न तुष्टीकरण, न परिवारवाद, न भ्रष्टाचार। उनका मंत्र था–सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। पिछले 12 वर्षों में जो काम हुआ है, वह भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। 500 वर्षों की प्रतीक्षा का अंत हुआ। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और करोड़ों हिंदुओं की आंखें छलक उठीं। एक और काम जो दशकों से लंबित था, माननीय अमित शाह जी की दृढ़ इच्छाशक्ति और माननीय मोदी जी के नेतृत्व में 5 अगस्त, 2019 को संसद में एक ऐतिहासिक निर्णय हुआ। जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग संवैधानिक रूप से भी बना। अलगाववाद की जड़ें काट दी गईं। वह कानून जो पुरुष की तीन बोलियों पर एक मुस्लिम महिला का जीवन बर्बाद कर देता था, मोदी सरकार ने उस ट्रिपल तलाक को समाप्त किया। यही असली महिला सशक्तिकरण है। आयुष्मान भारत ने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा दिया। उज्ज्वला योजना से 10 करोड़ माताओं के चूल्हे गैस से जले। जल जीवन मिशन ने भारत के 15 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया। पी.एम. आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्की छत मिली। पी.एम. किसान सम्मान निधि से किसानों के खाते में सीधे पैसे पहुंचे। 80 करोड़ भारतीयों को भोजन, यह है अंत्योदय का व्यावहारिक स्वरूप। डिजिटल अर्थव्यवस्था में यू.पी.आई. एक वैश्विक मॉडल बन चुका है। रक्षा निर्यात में भारत नई ऊंचाइयां छू रहा है। चंद्रयान–3 की सफलता ने दुनिया को दिखाया कि नए भारत का सामर्थ्य असीमित है। पंजाब की बात करें तो हृदय भारी हो जाता है। गुरुओं और शहीदों की यह पवित्र भूमि आज जिस दर्द से गुजर रही है, उसे देखकर हर देशभक्त का सिर झुक जाता है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता से बड़े–बड़े वादे किए थे। दिल्ली मॉडल की बात की थी लेकिन आज पंजाब की सच्चाई क्या है? गैंगस्टर बेखौफ हैं, नशे की लत युवाओं को खोखला कर रही है, उद्योग पलायन कर रहे हैं और कानून–व्यवस्था की ऐसी दुर्दशा है कि अपराधी जेलों से वारदातें अंजाम दे रहे हैं। पंजाब का किसान परेशान है, नौजवान बेरोजगार है। पंजाब की मां अपने बेटे को नशे की गिरफ्त से निकालने के लिए तड़प रही है।

42 की उम्र में मां बनने जा रहीं करिश्मा तन्ना, क्यूट फोटो शेयर कर दी खुशखबरी

> अब उनके घर नन्हा मेहमान आने से परिवार और भी बड़ा और खुशियों से भरने वाला है। शेयर की गई तस्वीरों में दोनों अपने डॉग्स के साथ मस्ती करते हुए भी नजर आए।

रियलिटी शो बिग बॉस 8 की फाइनलिस्ट और टीवी एक्ट्रेसं करिश्मा तन्ना के घर जल्द ही किलकारियां गूंजने वाली हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ यह खुशखबरी साझा की है। करिश्मा और उनके पति वरुण बंगेरा जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपने पति वरुण बंगेरा के साथ कुछ खास तस्वीरें शेयर कर प्रेग्नेंसी की खबर दी। इन तस्वीरों में दोनों मैचिंग आउटफिट में नजर आए और उन्होंने मॉम–डैड लिखी हुई कैप पहन रखी थी। इस अंदाज में उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत का ऐलान किया। करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा की शादी साल 2022 में हुई थी। शादी के लगभग चार साल बाद अब दोनों अपने पहले बच्चे का स्वागत करने जा रहे हैं। इस खबर के सामने आते ही फैंस और सेलेब्स ने कपल को बधाइयां देना शुरू कर दिया। करिश्मा और वरुण पहले से ही दो पेट डॉग्स के पेरेंट्स हैं। अब उनके घर नन्हा मेहमान आने से परिवार और भी बड़ा और खुशियों से भरने वाला है। शेयर की गई तस्वीरों में दोनों अपने डॉग्स के साथ मस्ती करते हुए भी नजर आए। तस्वीरों के साथ करिश्मा और वरुण ने एक प्यारा सा कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि उनका बेबी अगस्त 2026 में आने वाला है। इस खबर के बाद फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि उनके घर बेटा आएगा या बेटी। करिश्मा तन्ना की इस खुशखबरी पर कई टीवी और फिल्मी सितारों ने उन्हें बधाई दी। वहीं फैंस भी इस खबर से काफी खुश नजर आए और कपल की नई जर्नी के लिए शुभकामनाएं दीं।

कोलकाता में कालीघाट मंदिर दर्शन करने पहुंचीं कंगना रनौत, मां काली का लिया आशीर्वाद

मशहूर अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं। इस दौरान वे कालीघाट काली मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं। कंगना ने इस प्रसिद्ध मंदिर में महामाया मां काली का आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की। उन्होंने मां काली के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। पश्चिम बंगाल में इस महीने विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, परिणाम 04 मई को आएगा। इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं और मंदिर दर्शन किए। उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। कंगना रनौत साड़ी पहनकर ट्रेडिशन लुक में नजर आईं। पिंक कलर की सिल्क साड़ी के साथ उन्होंने पारंपरिक गहनों से अपना लुक कंपलीट किया है। कालीघाट मंदिर के अलावा कंगना ने कोलकाता में नकुलेश्वर भैरव मंदिर में भी दर्शन किए। अभिनय की दुनिया से कंगना अब राजनीति में सक्रिय हैं। वे राजनीति में अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। कंगना पर्दे से काफी वक्त से दूर हैं। आखिरी बार उन्हें इमरजेंसी में देखा गया था, जिसका निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। हालांकि, अब वे कमबैक करने वाली हैं। वे 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म के निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। यह राष्ट्रभक्ति फिल्म है।

करोड़ों के ऑफर ठुकरा देती हैं मृणाल ठाकुर, सिर्फ दिल छूने वाली फिल्मों को कहती हैं हां

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डकैत को लेकर सुर्खियों में हैं। अपनी बेहतरीन अदाकारी और समझदारी भरे फिल्म चुनाव के लिए मशहूर क्बवपज ने हाल ही में एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। फिल्म डकैत के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि वह जानबूझकर बड़े बैनर और भारी–भरकम बजट वाली फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा रही हैं। उनका मानना है कि सीता रमण्स और हैना जैसी फिल्मों की अपार सफलता के बाद दर्शकों की उम्मीदें उनसे काफी बढ़ गई हैं। मृणाल ने बड़ी बेबाकी से कहा की बड़े प्रोजेक्ट्स और शानदार पैकेज का लालच आना स्वाभाविक है लेकिन मैं अपने काम की क्वालिटी से समझौता नहीं करना चाहती। इसलिए, बहुत भारी मन से ही सही, पर मैं बड़े फिल्ममेकर्स को मना कर देती हूं ताकि सही कहानी का चुनाव कर सकूं। मृणाल का मानना है कि सीता महालक्ष्मी (सीता रामम) और यश्ना (हाय नन्ना) जैसे किरदारों ने उनके करियर के लिए एक ऊंचा मानक तय कर दिया है। वह अपनी इस साख को बरकरार रखना चाहती हैं। उन्होंने मजाक के लहजे में यह भी कहा कि लालच बुरी बला है इसलिए वह जल्दबाजी में कोई भी गलत स्क्रिप्ट साइन करने के बजाय सही मौके का इंतजार करना बेहतर समझती हैं। अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की जोड़ी पहली बार पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की है जिसे झूठे इल्जाम में जेल भेज दिया जाता है। जेल से फरार होने के बाद वह उस महिला से बदला लेने लौटता है जिसने उसे धोखा दिया था। लेकिन जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती है, अतीत के कई गहरे राज सामने आते हैं। डकैत 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मृणाल का यह स्टैंड साबित करता है कि वह केवल एक स्टार नहीं, बल्कि एक गंभीर एक्ट्रेस बनना चाहती हैं जो संख्या से ज्यादा किरदारों की गहराई को महत्व देती हैं।

राजपाल यादव पर टिप्पणी मामले में सलमान खान की हुई एंट्री, अभिनेता की तारीफ करते हुए दी ये जरूरी सलाह

राजपाल यादव इन दिनों सुर्खियों में हैं। वह किसी फिल्म की वजह से नहीं, बल्कि एक अवॉर्ड फंक्शन में हुए एक मामले की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में वह एक अवॉर्ड फंक्शन में पहुंचे। यहां शो के होस्ट ने उन्हें लेकर एक ऐसी टिप्पड़ी की जिस पर काफी वावाद हुआ। इस पूरे मामले में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान खुलकर राजपाल यादव के समर्थन में सामने आए। उन्होंने न सिर्फ राजपाल यादव के काम की तारीफ की, बल्कि उन्हें हिम्मत भी दी कि वह इन बातों को नजरअंदाज कर आगे बढ़ें। सलमान खान ने लिखा, राजपाल भाई, आप 30 साल से काम कर रहे हैं और हम सबने आपको बार–बार फिल्मों में इसलिए कास्ट किया है, क्योंकि आप अपना काम अच्छी तरह जानते हैं। काम तो आपको बहुत मिलेगा और इसी डॉलर रेट पर काम मिलेगा और मिलता रहेगा, ये हकीकत है। यह याद रखना कि कभी–कभी फ्लो में कुछ निकल आता है। दिल से काम करो, डॉलर ऊपर हो या नीचे, क्या फर्क पड़ता है। देना तो इंडिया में ही है।

वायआरएफ एंटरटेनमेंट ने टॉप स्ट्रीमिंग कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट सौगता मुखर्जी को हेड ऑफ कंटेंट नियुक्त किया

वायआरएफ एंटरटेनमेंट , जो यश राज फिल्म्स का स्ट्रीमिंग विंग है, ने भारत के शीर्ष कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट्स में से एक सौगता मुखर्जी को हेड ऑफ कंटेंट के रूप में नियुक्त किया है। वायआरएफ एंटरटेनमेंट अब तक द रोमांटिक्स , द रेलवे मेन और मंडला मर्डर्स जैसे ग्लोबल हिट प्रोजेक्ट्स बना चुका है और अब फिल्मों और सीरीज के लिए सौरगाता को शामिल किया गया है। सौगता सीधे वायआरएफ के सीईओ अक्षय विध ाानी को रिपोर्ट करेंगे। वायआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा, "मुझे बेहद खुशी है कि हम एक ऐसे क्रिएटिव थॉट लीडर का स्वागत कर रहे हैं, जिन्होंने लगातार इस बात की सीमाओं को आगे बढ़ाया है कि दर्शक कंटेंट से कैसे जुड़ते हैं और जो पिछले दो दशकों से ट्रांसफॉर्मेटिव बदलावों के अग्रणी रहे हैं। ऐसे समय में जब स्ट्रीमिंग स्थानीय और वैश्विक मनोरंजन परिदृश्य को नए सिरे से परिभाषित कर रही है, सौगता की क्रिएटिव समझ और स्ट्रैटेजिक स्पष्टता उन्हें वायआरएफ एंटरटेनमेंट के अगले चरण के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। एक कंपनी के रूप में, हम भारत को दुनिया के सामने पेश करने में विश्वास रखते हैं और मानते हैं कि अच्छी कहानियां भौगोलिक सीमाओं से परे होती हैं। सौरगाता की समझ के साथ, हमें उम्मीद है कि हम वैश्विक दर्शकों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करेंगे, साथ ही साहसी और अनोखे स्थानीय कंटेंट और प्रतिभाओं में निवेश जारी रखेंगे।" योगेंद्र मोगरे शो के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे और वायआरएफ एंटरटेनमेंट में प्रोडक्शन का नेतृत्व करेंगे। वे सौरगाता और अक्षय के साथ मिलकर आगामी कंटेंट लाइनअप तैयार करेंगे। सौगता हाल ही में सोनी लिव में हेड ऑफ कंटेंट और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने प्लेटफॉर्म की कंटेंट स्ट्रैटेजी, कमिशनिंग और विभिन्न जॉनर और भाषाओं में ओरिजिनल प्रोग्रामिंग का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल के दौरान, सोनी लिव भारत के प्रमुख प्रीमियम स्ट्रीमिंग ब्रांड्स में से एक बन गया, जिसमें स्कॅम 1992,महारानी , राकेट बॉयज , गुल्लक और फ्रीडम एट मिडनाइट जैसे प्रभावशाली ओरिजिनल्स शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स ने मिलकर 100 से अधिक प्रमुख इंडस्ट्री अवॉर्ड्स जीते। सौगता के दो प्रोजेक्ट्स कृ आर्या (हॉटस्टार के लिए) और रॉकेट बॉयज (सोनी लिव के लिए) कृ इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकित हुए। सोनी लिव से पहले, सौगता ने एचबीओ मैक्स के भारत में लॉन्च का नेतृत्व किया और हॉटस्टार (अब जिओ हॉटस्टार) की लीडरशिप टीम के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जिसने इसे सब्सक्राइबर संख्या के हिसाब से दुनिया के सबसे बड़े स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक बनाया। उनका व्यापक अनुभव प्लेटफॉर्म लॉन्च, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, कंटेंट मोनेटाइजेशन स्ट्रैटेजी और तेजी से बदलते मीडिया इकोसिस्टम में हाई–परफॉर्मेंस क्रिएटिव टीम्स के निर्माण तक फैला हुआ है।

बिना लहसुन-प्याज के लंच में तैयार करें पहाड़ी छोले या हिमाचली चना मद्रा, रेसिपी है लाजवाब

काबुली चने को कई तरीके से बनाया जा सकता है। लंच में अक्सर कुछ स्पेशल में हम छोले बनाते हैं। अगर आपने अभी तक पंजाबी और साउथ इंडियन स्टाइल के छोले ही बनाए हैं तो इस बार हिमाचल की इस रेसिपी को ट्राई करें। बिना लहसुन–प्याज के बनने वाली ये डिश बेहद आसान है और इसका स्वाद लाजवाब लगता है। दही की ग्रेवी के साथ तैयार सफेद चने खाने में स्वादिष्ट लगते हैं। तो चलिए जानें कैसे बनेंगे हिमाचली अंदाज में बने ये छोले।

हिमाचल का चना मद्रा बनाने की सामग्री

250 ग्राम सफेद चना
500 ग्राम दही
एक चम्मच धनिया पाउडर
1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
आधा चम्मच हल्दी पाउडर
दो चम्मच चावल का आटा
नमक स्वादानुसार
एक चम्मच शाही जीरा
एक इंच दालचीनी का टुकड़ा
2–3 इलायची
1 काली या बड़ी इलायची
2–3 लौंग
1 तेजपत्ता

हिमाचल का मद्रा बनाने की विधि

सबसे पहले सफेद चने को रातभर भिगो देंगे। अच्छी तरह से फूलने के बाद चने को कूकर में नमक डालकर पका लेंगे। किसी बाउल में दही को लें। इसका पानी अच्छी तरह से निथार दें। अब इस दही में धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हींग, हल्दी और नमक डालें। अच्छी तरह से फेंट लें। अब किसी मिट्टी के बर्तन में या फिर गहरे तले के बर्तन को गैस पर चढ़ाएं। इसमे तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए तो सारे खड़े मसाले डालें। सबसे पहले शाही जीरा का तड़का लगा लें। फिर तेजपत्ता डालें और साथ में बड़ी इलायची, छोटी इलायची,लौंग, दालचीनी डालकर भून लें। अब गैस की फ्लेम को बिल्कुल धीमा कर दें और इसमे दही का पेस्ट डाल दें। इसे अच्छी तरह डालकर पकाएं और जिससे कि दही फटे नहीं। जब दही अच्छी तरह से पक जाए तो उबले चने को डाल दें। उबले चने डालने के साथ ही स्वादानुसार नमक डालें। हरी मिर्च और देसी घी डालें। साथ में गरम मसाला डालकर इसे धीमी आंच पर पकाएं। जब ये पककर गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा सा पानी डालकर ग्रेवी को पतला कर लें और करीब तेज आंच पर चार से पांच मिनट तक पका लें। सबसे आखिर में चावल के पाउडर का घोल बनाकर डालें और स्वाद में मिठास देने के लिए आधा छोटा चम्मच चीनी डालें। बस तैयार है टेस्टी हिमाचली मद्रा। इसे लंच या डिनर में नान, रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

बच्चों के लिए बाजार जैसी घर पर बनाएं जामुन की खट्टी-मीठी कैंडी

गर्मी का मौसम शुरू होते ही कुछ ठंडा खाने का मन करता है। अगर आपका भी कुछ ऐसा ही मन कर रहा है तो आज आपको जामुन कैंडी के बारे में बताने जा रहे हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ– साथ आपकी सेहत का भी ख्याल रखेगी। क्योंकि जामुन अपने मीठे स्वाद के साथ–साथ कई औषधीय गुणों से भरपूर है। चलिए बच्चों को गर्मी में ठंडक का एहसास करने के लिए इस तरह तैयार करें जामुन कैंडी।

सामग्री

–250 ग्राम जामुन
–3 चम्मच चीनी
–2 चम्मच नींबू का रस
–1 चम्मच काला नमक
–जीरा पाउडर
–आवश्यकतानुसार गार्निशिंग के लिए आइस क्यूब

जामुन कैंडी बनाने का तरीका

–जामुन कैंडी बनाने के लिए सबसे पहले आप एक पैन को गरम करें।
–पैन गर्म होने के बाद इसमें जामुन काली मिर्च, नमक डालकर लगभग 5–7 मिनट के लिए पका लें।
–पकने के बाद आप इसे ठंडा होने के लिए रख दीजिए।
–फिर इसे एक बर्तन में छानकर जूस निकाल लें।
–छने हुए मिश्रण को आईस क्रीम के सांचे icecream mold में भरें।
–एयर टाइट ढक्कन लगाकर फ्रिजर में रख दें ।
–चार पांच घंटे में कैंडी तैयार हो जाएगी।
–आइसक्रीम कैंडी को मोल्ड से निकालकर ठंडी –ठंडी सर्व करें।

कंधे की चर्बी ह्टाने के लिए करें ये आसान सी एक्सरसाइज, कुछ ही दिन में दिखेगा असर

कंधों पर जमा चर्बी कम करना सिर्फ दिखने के लिए ही नहीं, बल्कि बॉडी पोस्चर और फिटनेस के लिए भी जरूरी है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान एक्सरसाइज शोल्डर, बैक और ट्राइसेप्स मसल्स को टोन करके ऊपरी शरीर को शेप में ला सकती हैं। आइए इन असरदार एक्सरसाइज को समझते हैं।

(पुश–अप)

इसके लिए प्लैंक पोजीशन में आ जाएं, हाथों को कंधों के बराबर रखें, शरीर सीधा रखते हुए नीचे जाएं और फिर ऊपर उठें। इससे कंधे, छाती और ट्राइसेप्स मजबूत होते हैं, ऊपरी बॉडी की चर्बी तेजी से कम होती है।

(लेटरल आर्म सर्कल)

इसके लिए सीधे खड़े होकर दोनों हाथ साइड में फैलाएं, हाथों को गोल–गोल घुमाएं (आगे और पीछे दोनों दिशा में)। इससे शोल्डर टोनिंग में मदद मिलती है, फैट बर्न और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है

(ओवरहेड प्रेस)

इसके लिए डंबल या पानी की बोतल हाथ में लें। कंधों से ऊपर की ओर हाथ उठाएं, धीरे–धीरे वापस नीचे लाएं। इससे शोल्डर मसल्स मजबूत और शेप में आती हैं, आर्म फैट कम करने में मदद मिलती है।

(प्लैंक)

कोहनी और पैरों के बल शरीर को सीधा रखें, पेट और कंधों पर ध्यान रखते हुए होल्ड करें। इससे कोर और शोल्डर दोनों मजबूत होते हैं फैट बर्न करने में मदद मिलती है,

एक्सरसाइज क्यों काम करती हैं?

एक्सरसाइज के फायदे

इन एक्सरसाइज से कंधों और आसपास की मसल्स एक्टिव होती हैं, कैलोरी बर्न होती है, धीरे–धीरे चर्बी कम होकर टोनिंग दिखने लगती है। ध्यान रखें कि केवल एक जगह का फैट कम करना मुश्किल होता है, इसलिए पूरे शरीर का वर्कआउट जरूरी है। रोज 15,20 मिनट ये एक्सरसाइज करें, हेल्दी डाइट (कम तेल, कम चीनी) जरूर अपनाएं, पर्याप्त पानी पिएं, हफ्ते में 4,5 दिन नियमितता रखें। अगर आप कंधों की चर्बी कम करके टोन बॉडी पाना चाहते हैं, तो ये आसान एक्सरसाइज आपके लिए बेहद फायदेमंद हैं। नियमित अभ्यास से कुछ ही हफ्तों में फर्क दिखने लगता है।

क्या ज्यादा चीनी खाने से पीले ह्वे जाते हैं दांत ? जानें इसके नुकसान

आज के समय में मीठा खाना लोगों की आदत बन चुका है। बच्चे हों या बड़े, चॉकलेट, केक, कोल्ड ड्रिंक और टॉफियां रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ज्यादा चीनी खाने का असर सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि आपके दांतों पर भी पड़ता है?

क्या सच में चीनी से दांत पीले हो जाते हैं?

सीधे तौर पर चीनी दांतों को पीला नहीं करती, लेकिन यह ऐसी स्थिति जरूर बना देती है जिससे दांत खराब होने लगते हैं। जब हम मीठा खाते हैं, तो मुंह में मौजूद बैक्टीरिया शुगर को तोड़कर एसिड बनाते हैं। यह एसिड दांतों की ऊपरी परत (इनेमल) को कमजोर करता है, जिससे दांतों पर प्लाक जमने लगता है और वे पीले या गंदे दिखने लगते हैं।

कैसे बढ़ती है दांतों की समस्या?

अगर बार–बार और ज्यादा मात्रा में मीठा खाया जाए

तो इनेमल कमजोर हो जाता है
दांतों में कैविटी बनने लगती है
दर्द और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है

हालांकि लार में मौजूद मिनरल्स दांतों को कुछ हद तक ठीक करते हैं, लेकिन ज्यादा शुगर इस प्रक्रिया को भी कमजोर कर देती है।

सिर्फ दांत ही नहीं, पूरी सेहत पर असर

ज्यादा चीनी का असर सिर्फ दांतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे शरीर को प्रभावित करता है

वजन तेजी से बढ़ सकता है
डायबटीज का खतरा बढ़ जाता है
दिल की बीमारियों की संभावना बढ़ती है
त्वचा पर झुर्रियां जल्दी आने लगती हैं।

कैसे करें बचाव?

मीठा सीमित मात्रा में खाएं
खाने के बाद कुल्ला जरूर करें
दिन में दो बार ब्रश करें
ज्यादा पानी पिएं
हेल्दी डाइट अपनाएं।

मीठा खाना पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं है, लेकिन इसकी मात्रा पर कंट्रोल रखना बेहद जरूरी है। सही आदतें अपनाकर आप अपने दांतों को मजबूत और सेहत को बेहतर बनाए रख सकते हैं।

शाइनी ह्येर के लिए बालों पर लगाएं चुकंदर ह्येर मास्क, ह्येर फॉल भी ह्वेगा दूर

आपने आज तक चुकंदर का इस्तेमाल खाने का रंग अच्छा करने या फिर सलाद और सूप बनाने के लिए किया होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं चुकंदर का इस्तेमाल करके आप अपने बालों को शाइनी और सॉफ्ट भी बना सकते हैं। जी हां, चुकंदर का हेयर मास्क आपके बालों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करके उन्हें अच्छा कलर देने में मदद करता है। आइए जानते हैं बालों को शाइनी बनाने के लिए कैसे बनाया जाता है चुकंदर का हेयर मास्क। चुकंदर में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूरा मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और निकोटिनिक एसिड भी भरपूर मात्रा में मौजूद होता है जो बालों में डैंड्रफ, हेयर फॉल, ड्राई हेयर की समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। चुकंदर का हेयर मास्क बनाने का तरीका– चुकंदर का हेयर मास्क बनाने के लिए सबसे पहले करी पत्ते और चुकंदर को धोकर छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्सी में डालकर उसका एक स्मूथ पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में एक बड़ा चम्मच नारियल तेल मिलाकर अपने बालों और स्कैल्प पर हल्के हाथों से मालिश करते हुए 30 मिनट लगाकर रखें। इसके बाद बालों को ठंडे पानी और शैम्पू से साफ कर लें।

संक्षिप्त

लंबी दूरी के उड़ानों के लिए पायलट्स के ड्यूटी से जुड़े नियमों में ढील

नई दिल्ली,एजेंसी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने लंबी दूरी की उड़ानों के लिए पायलटों की उड़ान ड्यूटी समय सीमा में अस्थायी रूप से ढील दी है। एयरलाइन नियामक डीजीसीए ने लंबी दूरी की उड़ानों के लिए पायलटों की उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) में अस्थायी रूप से ढील दी है, एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डीजीसीए का यह कदम सुचारू संचालन के लिए पायलटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव असंगबा चुबा आओ ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इस बदलाव की जानकारी दी है।

शेयर बाजार लगातार चौथे दिन हरे निशान पर बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण निवेशकों का मनोबल बढ़ने से मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। आईटी शेयरों में खरीदारी ने शुरुआती नुकसान के बाद बाजारों में रिकवरी में मदद की। घरेलू शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन हरे निशान पर क्लोजिंग हुई है। मंगलवार को शुरुआती गिरावट से ऊबरकर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत बढ़कर 74,616.58 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसने 74,686.32 का उच्च और 73,282.41 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 1,403.91 अंकों का उतार–चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत चढ़कर 23,123.65 पर बंद हुआ। भारतीय रुपया दोपहर 3रू30 बजे तक डॉलर के मुकाबले 0.1ः बढ़कर 92.98 पर पहुंच गया। पिछले सत्र में रुपया 93.06 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन पिछड़ने वालों में शामिल थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत गिरकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। लाइवलॉन्ग वेल्थ के रिसर्च एनालिस्ट और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, ष्भारतीय बाजारों में दिन के दौरान तेजी से रिकवरी देखने को मिली, निफ्टी ने शुरुआती नुकसान को पलटते हुए उच्च स्तर हासिल कर लिया। यह रिकवरी मुख्य रूप से शॉर्ट–कवरिंग और चुनिंदा सेक्टोरल मजबूती के कारण हुई, न कि व्यापक स्तर पर खरीदारी के विश्वास के कारण। उन्होंने कहा कि आज की तेजी का एक प्रमुख कारण आईटी क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन था, जिसने एक रक्षात्मक आधार के रूप में काम किया। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग में छुट्टी के कारण बाजार बंद थे। यूरोपीय बाजार सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 8,167.17 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 8,088.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 787.30 अंक या 1.07 प्रतिशत बढ़कर 74,106.85 पर बंद हुआ। निफ्टी 255.15 अंक या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 22,968.25 पर समाप्त हुआ।

चांदी में 5000 रुपये का भारी उछाल, सोना 1.53 रुपये लाख के पार पहुंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर देखने को मिला है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मूल्यवान धातुओं की कीमतों में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, जिसमें चांदी 5,000 रुपये की भारी छलांग लगाकर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। वहीं, सोने की कीमतों में भी जोरदार उछाल देखने को मिला है। विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव और मूल्य खरीदारी इस उछाल के प्रमुख कारण हैं। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशनश की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार के 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर के मुकाबले सोमवार को चांदी की कीमत 2.11 प्रतिशत (5,000 रुपये) बढ़कर 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 1.52 प्रतिशत या 2,300 रुपये की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। यह पिछले सत्र के 1,51,500 रुपये से उछलकर 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के स्तर पर पहुंच गया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) सौमिल गांधी के अनुसार, कीमती धातुओं में हालिया गिरावट के बाद व्यापारियों द्वारा की गई श्वैल्यू बाइंगश (बार्गेन हंटिंग) के साथ–साथ डॉलर तथा कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने इस तेजी को समर्थन दिया है।

अजिंक्य रहाणे पर क्यों भड़के वीरेंद्र सहवाग? हद में रहने की दे डाली सलाह!

कोलकाता,एजेंसी। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की शुरुआत निराशाजनक हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे भी पहले तीन मुकाबलों में संघर्ष करते हुए नजर आए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रहाणे से उनके स्ट्राइक रेट को लेकर सवाल पूछा गया था, तो वह भड़क पड़े थे। रहाणे के बर्ताव पर भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का कहना है कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें नहीं कहनी चाहिए। सहवाग ने क्रिकबज के साथ बात करते हुए कहा कि रहाणे को इस तरह की आलोचना का जवाब बल्ले और अच्छे प्रदर्शन से देना चाहिए। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं लगता है कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें कहनी चाहिए। मुझे पता है कि रहाणे कप्तान हैं और उनसे कैमरून ग्रीन के गेंदबाजी न करने का कारण भी पूछा गया था। रहाणे के पास कोई सीधा जवाब नहीं था, तो उन्होंने कह दिया था क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए। मैं यह समझ सकता हूं। हालांकि, अगर कोई मेरे स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली को लेकर सवाल खड़े करे, तारीफ और आलोचना करें, तो तो यह लोगों का काम है। आपको इस स्थिति में सामान्य रहना है, चाहे फिर आपकी तारीफ हो या फिर आलोचना। सहवाग ने रहाणे को इस तरह की जुबानी जंग में न उलझने की सलाह दी। उन्होंने कहा, रहाणे आलोचनाओं का जवाब दे रहे थे, लेकिन अमिताभ बच्चन तक ने कभी आलोचना का जवाब नहीं दिया है। सचिन तेंदुलकर से बड़ा उदाहरण क्या ही होगा, एक अखबार ने उनके लिए एंडुलकर लिखा था। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद

प्रेस कॉन्फ्रेंस में रहाणे से उनके स्ट्राइक रेट को लेकर मुश्किल सवाल पूछा गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा था, श्मेरा स्ट्राइक रेट! 2023 से मेरा स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। जो लोग मेरे स्ट्राइक रेट पर बात कर रहे हैं वह शायद

मैच नहीं देख रहे हैं या फिर उनका मेरे खिलाफ कोई खास मकसद है। वह मुझे खेलता हुआ देखना नहीं चाहते हैं। रहाणे ने इस सीजन अब तक खेले 3 मुकाबलों में 148 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 83 रन बनाए हैं।

अर्शदीप सिंह की रूमर्ड गर्लफ्रेंड का हुआ खुलासा! क्या इस एक्ट्रेस को कर रहे डेट ? फैंस ने टैटू से लगाया अंदाजा

चंडीगढ़,एजेंसी। आईपीएल 2026 के दौरान अर्शदीप सिंह की निजी जिंदगी सुर्खियों में आ गई है। पंजाब किंग्स के इस तेज गेंदबाज का एक स्नैपचौट वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक मिस्ट्री गर्ल का हाथ थामे नजर आ रहे हैं।इस वीडियो के सामने आते ही फैंस के बीच यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई कि आखिर वह लड़की कौन है। वह मूल रूप से जम्मू–कश्मीर की रहने वाली हैं और उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से पढ़ाई की है। समरीन ने कई म्यूजिक वीडियो, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है। समरीन कौर ने 83 में रणवीर सिंह के साथ काम किया था। इसके अलावा वह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में भी नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'नेल पॉलिश' के बाद उन्हें अच्छी पहचान मिली। उन्होंने बादशाह और जस मानक जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है।

अर्शदीप सिंह ने पहले इंस्टाग्राम पर एक लड़की के नाखूनों की तस्वीर शेयर की थी। इसके बाद उन्होंने स्नैपचैट पर एक फोटो डाली, जिसमें वह किसी लड़की का हाथ पकड़े नजर आए। हालांकि, उस लड़की का चेहरा दिखाई नहीं दिया, लेकिन फैंस ने फोटो में दिख रहे टैटू और नेल आर्ट के आधार पर अंदाजा लगाया कि वह समरीन कौर हो सकती हैं। कई यूजर्स का दावा है कि फोटो में दिख रहा टैटू समरीन के टैटू से मेल खाता है। मुल्लांपुर में खेले गए मैच के दौरान समरीन कौर ने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पंजाब किंग्स की जर्सी पहने नजर आईं। इससे फैंस का शक और गहरा गया, क्योंकि अर्शदीप भी इसी टीम के लिए खेलते हैं। इन सभी कयासों के बावजूद, न तो अर्शदीप सिंह और न ही समरीन कौर की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। इस वजह से यह मामला अभी सिर्फ अफवाहों और फैंस के अनुमान तक ही सीमित है। आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों की पर्सनल लाइफ भी चर्चा का विषय बन जाती है। अर्शदीप और समरीन को लेकर चल रही यह चर्चा भी सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रही है और फैंस लगातार इस पर नजर बनाए हुए हैं।

हैदराबादी बिरयानी ने हेनरिक क्लासन को किया बेहाल, पसीना–पसीना हुए

हैदराबाद,एजेंसी। आईपीएल 2026 में जहां सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन मैदान पर कुछ खास नहीं रहा, वहीं मैदान के बाहर टीम का एक मजेदार वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में हेनरिक क्लासेन हैदराबादी बिरयानी खाते नजर आ रहे हैं, लेकिन यह स्वाद उनके लिए थोड़ा भारी पड़ गया। वीडियो में क्लासन के साथ ईशान किशन भी नजर आते हैं।

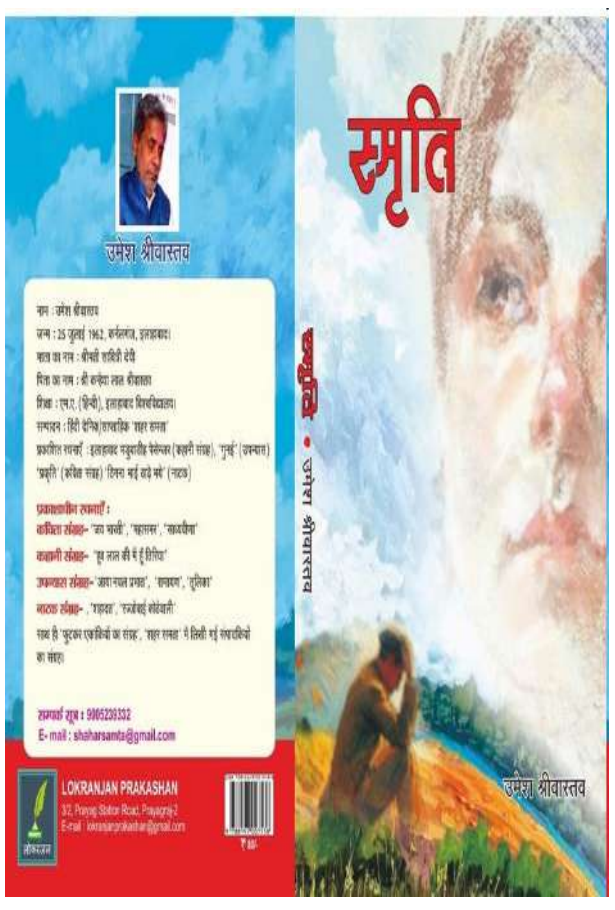

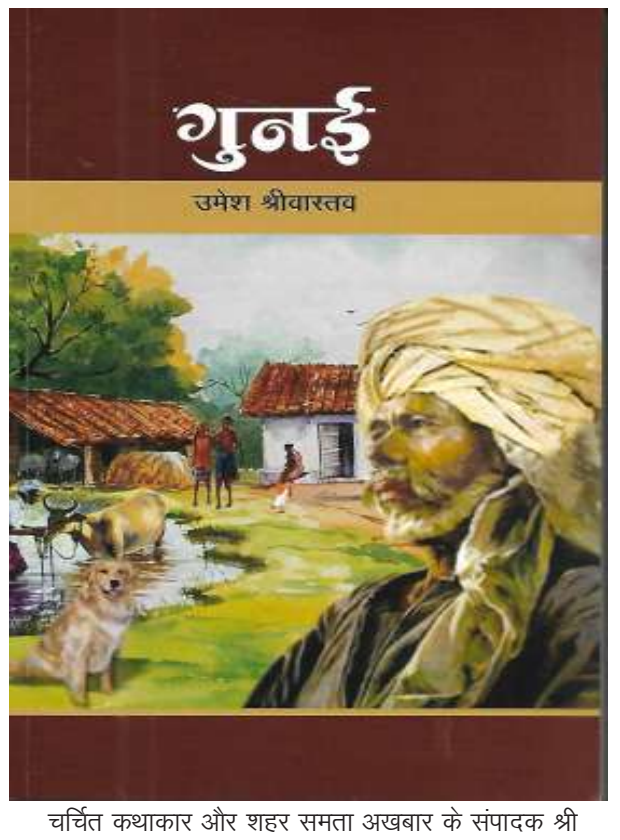

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

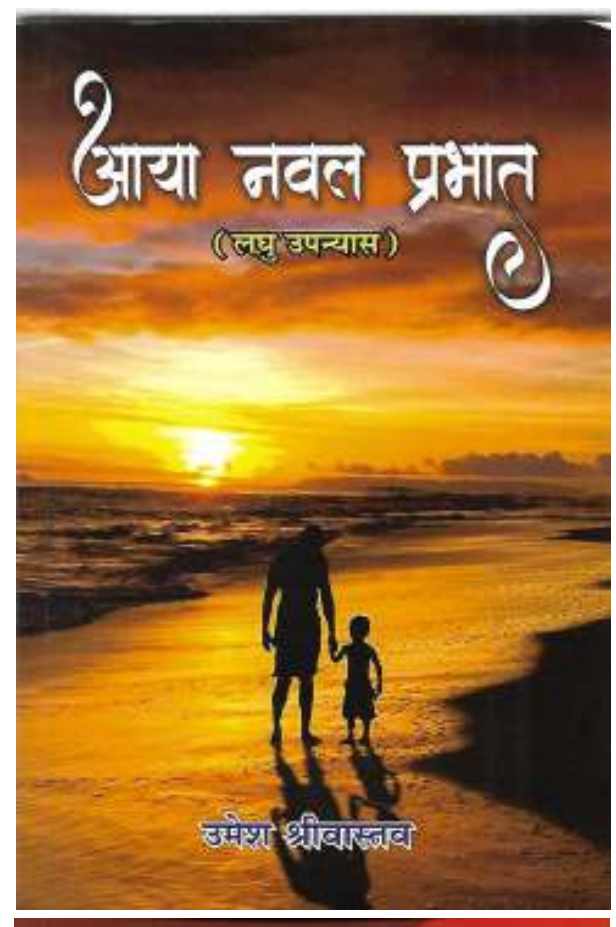

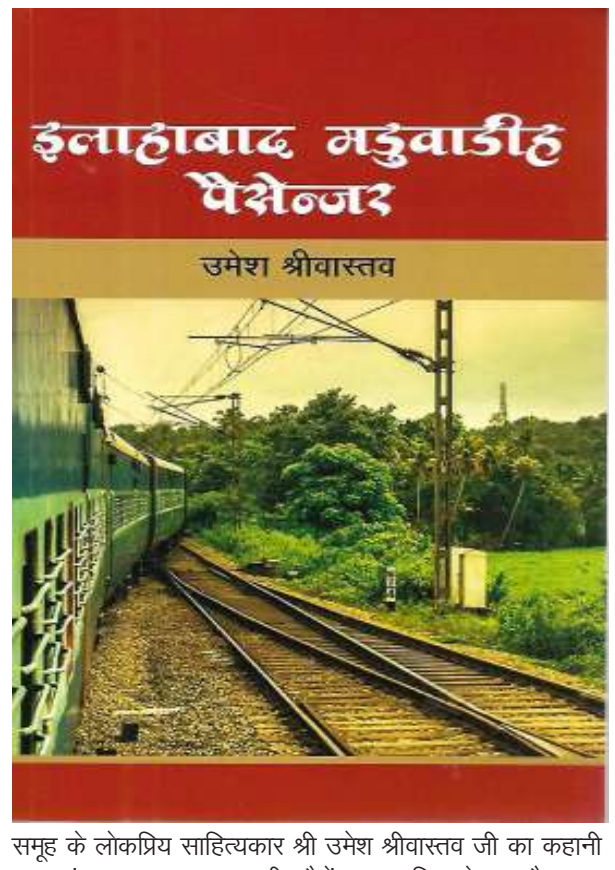

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

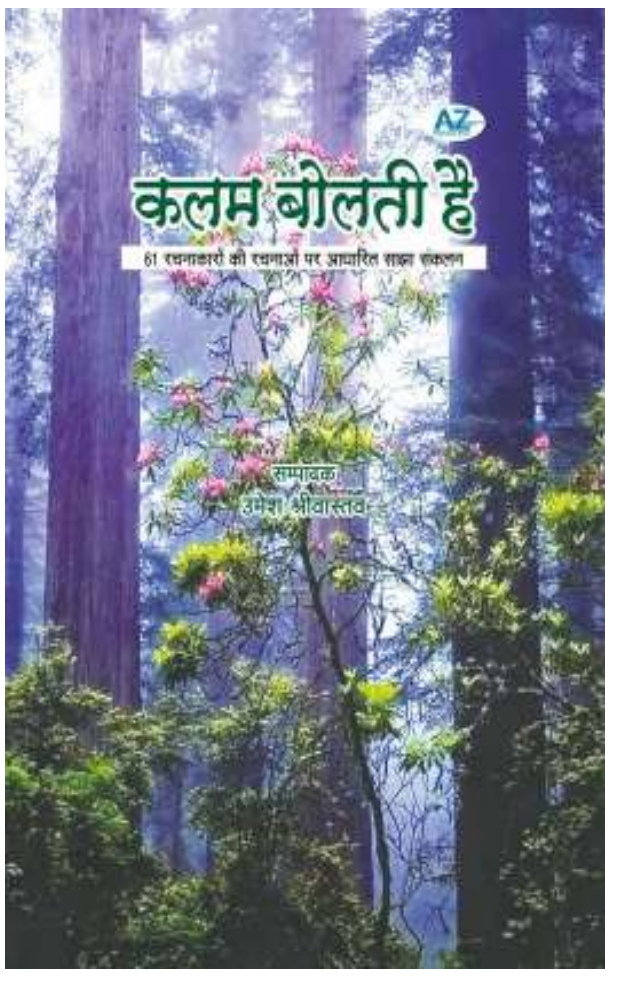

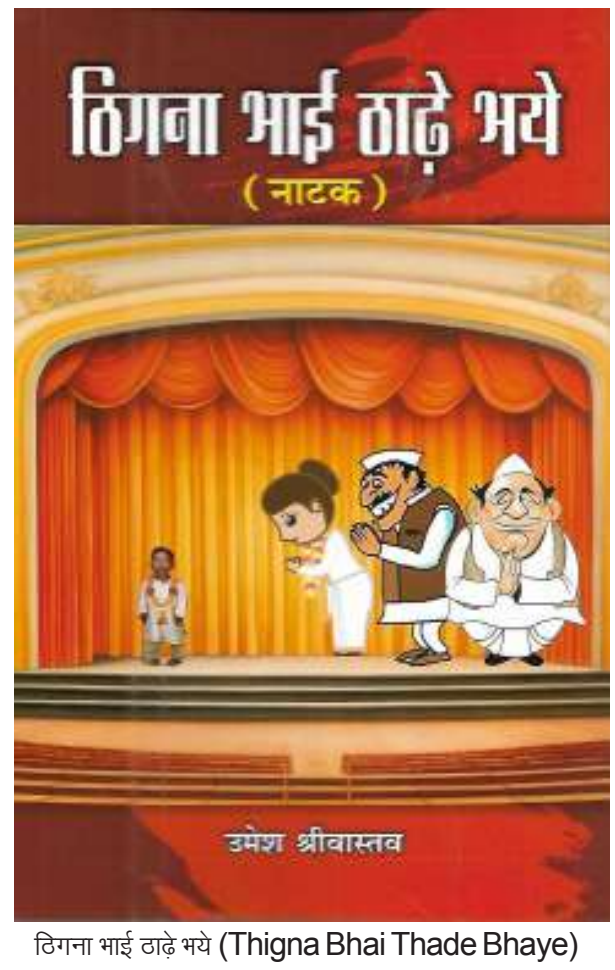

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

क्या ईरान से जंग के बीच बौखलाए ट्रंप?: भारत-पाक के बीच सुलह का फिर लिया श्रेय, नई टिप्पणी से बटोरीं सुर्खियां

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को समाप्त कराया था। उन्होंने

दावा किया कि इससे तीन से पांच करोड़ जिंदगियां बचीं। यह बयान ईरान के साथ जारी छह सप्ताह के युद्ध के बीच आया है। पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव तब बढ़ा था, जब नई दिल्ली ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। ट्रंप का यह दावा नया नहीं हैय उन्होंने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने इस संघर्ष को समाप्त कराया था, जबकि भारत सरकार ने इन दावों का खंडन किया है। पाकिस्तान के पीएम का नाम लेकर किया बड़ा दावा व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा, ष्मैंने भारत और पाकिस्तान सहित आठ संघर्षों को खत्म किया। इतना ही नहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मुझे बताया कि मैंने तीन से पांच करोड़ लोगों की जान बचाई।ष उन्होंने इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दूसरी बार इस दावे को दोहराया और कहा कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त किए। उन्होंने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर भी निराशा व्यक्त की। ट्रंप ने यह भी कहा कि एक और युद्ध खत्म करना बाकी है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह ईरान, यूक्रेन या कोई अन्य वैश्विक संघर्ष है। डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में शामिल होने से इनकार करने और ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामक अभियानों में सहायता करने में उनकी हिचकिचाहट पर भी नाराजगी जताई। होर्मुज खुलवाने में सहयोगी देशों के इनकार से हुए नाराज उन्होंने अपने सहयोगी देशों से समर्थन की कमी पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ष्क्या आप जानते हैं कि किसी ने हमारी मदद नहीं की? दक्षिण कोरिया ने हमारी मदद नहीं की। ऑस्ट्रेलिया ने हमारी मदद नहीं की। जापान ने मदद नहीं की। हमने जापान में 50,000 सैनिक तैनात किए हैं, ताकि उन्हें उत्तर कोरिया से बचाया जा सके। हमने दक्षिण कोरिया में 45,000 सैनिक तैनात किए हैं, ताकि किम जोंग उन से बचाया जा सके, जिनसे मेरी बहुत अच्छी बनती है। ईरान को दी भीषण हमलों की चेतावनी ट्रंप ने ईरान को मंगलवार शाम आठ बजे की समयसीमा तक अमेरिका के साथ समझौता न करने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ष्हमारे पास एक योजना है, जिसके तहत ईरान का हर पुल कल रात 12 बजे तक तबाह कर दिया जाएगा।ष उन्होंने आगे कहा कि ईरान के बिजली संयंत्र श्जलते हुए, फटते हुए और फिर कभी इस्तेमाल न होने वालेश होंगे।

क्या ईरान पर ट्रंप की धमकियां बेअसर? आईआरजीसी बोली- सेना ने अमेरिकी-इस्राइली ठिकानों पर हमले किए

एजेंसी/ईरान ने कहा है कि उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कोई असर नहीं होगा। देश की सरकारी मीडिया पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी सेना–आईआरजीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को आधारहीन बताया है। ईरान की सेना ने कहा है कि ट्रंप की धमकियों से अमेरिका और इस्राइली सुरक्षाबलों के खिलाफ जारी आक्रामक कार्रवाई प्रभावित नहीं होगी। ईरान के मुताबिक धमकियों से

पश्चिम एशिया में हुआ अमेरिका का अपमान नहीं मिटेगा। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने क्या कहा? आईआरजीसी के खातम अल–अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता– इब्राहिम जोल्फाघारी ने दावा किया कि इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नौसेना बलों ने इस्राइली कंटेनर जहाज एसडीएन 7 पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। इस हमले से जहाज में बड़ी आग लग गई और वह नष्ट हो गया। अमेरिकी हमलावर जहाज एलएचए–7 भी दोनों पक्षों के बीच हुई भारी गोलाबारी की चपेट में आया। रासायनिक संयंत्रों पर भी हमला ईरानी सेना का कहना है कि उसके हमले के कारण अमेरिकी जहाजों को हिंद महासागर में पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स ने उत्तरी और दक्षिणी तेल अवीव के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया। हाइफा के रणनीतिक केंद्रों और बीर शेवा के रासायनिक संयंत्रों पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी के मुताबिक सेना ने पेता टिकवा में इस्राइली सैनिकों की एक टुकड़ी पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से सटीक हमला किए जाने का दावा किया। अमेरिकी ठिकानों पर हमले

आईआरजीसी के मुताबिक ईरानी सेना की कार्रवाई–ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस चार के 98वें चरण में दो बार हमले किए गए। कुवैत में अमेरिकी अल–अदैरी बेस पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

'अमेरिका चांद की सतह पर जल्द लौटेगा!' आर्टेमिस-2 के चार अंतरिक्ष यात्रियों से और क्या बोले ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्टेमिस ԓ मिशन के क्रू सदस्यों से बात की और अंतरिक्ष में उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस मिशन से चंद्रमा पर अमेरिका की वापसी का मार्ग प्रशस्त होगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अंततः चंद्रमा पर स्थायी उपस्थिति स्थापित करेगा और फिर मंगल ग्रह की ओर बढ़ेगा। अंतरिक्ष यात्रा में नया कीर्तिमान यह बात उन्होंने तब कही जब मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान में सबसे लंबी दूरी का रिकॉर्ड तोड़ा। ट्रंप ने कहा श्आज आपने इतिहास रचा है और पूरे अमेरिका को अविश्वसनीय रूप से गौरवान्वित किया है।श उन्होंने कहा कि मानव अंतरिक्ष यान में जो कुछ वे कर रहे हैं, वैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा।

यह वास्तव में विशेष है। आप सभी ने इस दिन को संभव बनाया है। आपने पूरी दुनिया को प्रेरित किया है। अमेरिका की अंतरिक्ष में वापसी ट्रंप ने कहा कि चंद्रमा की यात्रा अधिक सामान्य हो जाएगी और उन्होंने मंगल ग्रह की भविष्य की यात्रा का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा श्आखिरकार, अमेरिका वापस आ गया है और अमेरिका कई मायनों में पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर वापस आया है। हम दुनिया में सबसे आगे हैं। आर्टेमिस क्रू ने नासा द्वारा बनाई गई अब तक की सबसे शक्तिशाली रॉकेट में उड़ान भरी, ढाई लाख मील से अधिक की यात्रा की और महान अपोलो 13 द्वारा निर्धारित दूरी का रिकॉर्ड तोड़ा। अमेरिका एक सीमावर्ती राष्ट्र है और आर्टेमिस 2 के चार बहादुर अंतरिक्ष यात्री आधुनिक युग के अग्रणी हैं। राष्ट्रपति ने आगे कहा श्हम एक बार फिर अपना झंडा फहराएंगे और इस बार हम सिर्फ पदचिह्न नहीं छोड़ेंगे। हम चंद्रमा पर एक स्थायी उपस्थिति स्थापित करेंगे और हम मंगल की ओर बढ़ेंगे। यह बहुत रोमांचक होगा। अमेरिका अंतरिक्ष में और हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसमें किसी से पीछे नहीं रहेगा और हम सितारों की ओर नेतृत्व करना जारी रखेंगे। कब होनी है पृथ्वी पर वापसी?

यह मिशन न केवल रिकॉर्ड तोड़ने वाला है, बल्कि चांद के उस हिस्से को देखने का भी मौका देगा, जिसे इंसान पहले कभी इतनी करीब से नहीं देख पाए। करीब 10 दिन के इस मिशन के बाद 10 अप्रैल को अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरकर पृथ्वी पर लौटेगा। नासा का यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। नासा ने बताया कि इस कदम को लेकर एजेंसी का लक्ष्य है कि 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास इंसानों की लैंडिंग कराई जाए। कौन–कौन से अंतरिक्ष यात्री इसमें गए है? गौरतलब है कि नासा के आर्टेमिस ԓ मिशन में चार अनुभवी अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं।

मिशन के कमांडर रीड वाइजमैन हैं, जबकि पायलट की जिम्मेदारी विक्टर ग्लोवर के पास है। इतना ही नहीं मिशन में दो स्पेशलिस्ट भी हैं, क्रिस्टिना कॉच और कनाडाई स्पेस एजेंसी के जेरमी हैन्सन। ये चारों अंतरिक्ष यात्री ओरियन अंतरिक्षयान में सवार हैं और चाँद के सबसे नजदीकी मार्ग पर 10.दिन की रोमांचक यात्रा पर हैं। मिशन का उद्देश्य न केवल चाँद के पास से गुजरना है, बल्कि मानव अंतरिक्ष यात्रा के नए रिकॉर्ड भी स्थापित करना है।

यूएई से कर्ज लौटाओ सुनकर पाकिस्तान को मिर्ची क्यों लगी! 'अखंड भारत' का जिक्र कर क्या बोले सांसद?

इस्लामाबाद,एजेंसी। विदेशी कर्जे में सिर के ऊपर तक डूबी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की हालत किसी से छिपी नहीं है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपने सहयोगी मुस्लिम देशों को ही आंखें दिखाने पर उतर आया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गाढ़े वक्त में पाकिस्तान को कर्जा देकर मदद की। वहीं, अब यूएई ने कर्जा वापस मांगा है तो पाकिस्तानी सांसद ने मदद का जवाब नसीहतों और तंज कस कर दिया है। दरअसल, संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तान को 350 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। अब यूएई ने परिपक्व हो चुकी कर्ज राशि को चुकाने को कहा है। हालांकि, पाकिस्तान ने ये कर्जा लौटाने की बात कही है। लेकिन,

पाकिस्तानी सांसद मुशाहिद हुसैन ने एहसान फरमोशी दिखाते हुए टीवी पर उसका मजाक उड़ाया। पाकिस्तान ने पार की एहसान फरामोशी की हदें पाकिस्तानी सांसद मुशाहिद हुसैन ने टीवी डिबेट में खुलेआम यूएई को कई बार बेचारा करार दिया। हुसैन ने कहा, श्श्उस मुल्क को बनाने में हमारा किरदारा रहा है। हमने उनकी फौज को ट्रेनिंग दी है।श्श उन्होंने कहा कि यूएई ने डेढ़ खरब डॉलर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया है। हुसैन ने आगे कहा कि यूएई कई जगहों पर जंग में फंसा हुआ है। मुशाहिद हुसैन ने यूएई को अखंड भारत का डर भी दिखाया। उन्होंने कहा, श्मैं यूएई को मशवरा देना चाहता हूं कि आपकी आबादी एक करोड़ है। इनमें से 43 लाख लोग हिंदुस्तान के रहते हैं। अपना ख्याल रखें, हिंदुस्तान के साथ दोस्ती कहीं आपको अखंड भारत का हिस्सा न बना दे। कई बार बताया यूएई को बेचारा उन्होंने यह भी दावा किया कि बेचारे दुबई को पैसे की जरूरत है, क्योंकि ईरान ने उसकी अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दी है। उन्होंने अपने बयान में कई बार यूएई को बेचारा कहकर पुकारा। गौरतलब है कि ईरान युद्ध को खत्म करने की कोशिश में पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। इसके लिए वह खाड़ी देशों से संपर्क में है। इसके बावजूद मुस्लिम बहुल खाड़ी देशों को आंखें दिखाने में कमी नहीं रख रहा है।

'सिर पर बंदूक रखकर बातचीत नहीं': ट्रंप की धमकियों पर फिर भड़का ईरान, तेहरान की महिला प्रोफेसर का कड़ा जवाब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी चेतावनियों पर ईरान से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। तेहरान विश्वविद्यालय की महिला सहायक प्रोफेसर सेतारेह सादेकी ने साफ कहा कि हमारे सिर पर बंदूक रखकर बातचीत की बात करना ईरान के लिए कभी स्वीकार्य नहीं होगा। दरअसल, ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि यदि मंगलवार रात तक कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने यहां तक कहा कि एक रात में ईरान को खत्म कर सकते हैं। धमकियों के बीच बातचीत नहीं सादेकी ने कहा कि अमेरिका की ये धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, बल्कि पहले दिए गए डेडलाइन का विस्तार हैं। उनके मुताबिक ईरान इसे ऐसे देखता है जैसे हमारे सिर पर बंदूक तानकर बातचीत करने को कहा जा रहा हो, जो कभी काम नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि जब तक ईरान के शहरों पर हमले और बमबारी जारी रहेगी, तब तक अमेरिका के साथ न तो बातचीत होगी और न ही किसी युद्धविराम पर सहमति बनेगी। अमेरिका पर नागरिक ढांचे पर हमले का आरोप तेहरान यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने अमेरिका पर गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में विश्वविद्यालयों, रिसर्च सेंटर, टीकाकरण केंद्रों और पुलों को निशाना बनाया गया है। सादेकी के अनुसार, संभावना है कि अमेरिका आगे भी नागरिक ढांचे पर हमले तेज कर सकता है। ईरान देगा जवाब उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने पहले भी अमेरिकी हमलों का जवाब प्रभावी तरीके से दिया है। ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और इस्राइली इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर अपनी क्षमता दिखाई है। सादेकी ने चेतावनी दी कि ईरान भविष्य में भी ऐसे ही जवाब देगा जिससे अमेरिका की हमले करने की क्षमता कमजोर हो सके। ट्रंप का अल्टीमेटम और श्क्रिटिकल पीरियड व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह क्रिटिकल पीरियड है और ईरान को समझौते के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा हमने उन्हें 10 दिन दिए हैं। अब उनके पास मंगलवार रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक का समय है। इसके बाद उनके पास न पुल होंगे, न पावर प्लांट।

कोमा में हैं मोजतबा खामेनेई, ईरान के इस शहर में चल रहा सर्वोच्च नेता का इलाजय रिपोर्ट में बड़ा दावा

लंदन, एजेंसी। ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं। एक खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि मोजतबा खामेनेई वर्तमान में कोम शहर में इलाज

करवा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई अचेत अवस्था में हैं और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। माना जा रहा है कि इसी वजह से मोजतबा किसी भी निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा लेने में असमर्थ हैं। यह कूटनीतिक मेमो अमेरिकी और इस्राइली खुफिया एजेंसियों द्वारा खाड़ी सहयोगियों के साथ साझा की गई जानकारी पर आधारित है। इस रिपोर्ट में पहली बार सर्वोच्च नेता के ठिकाने का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई का कोम शहर में इलाज चल रहा है और इस वजह से वे शासन के किसी भी निर्णय में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़ने के बाद से मोतबा खामेनेई ने कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। उनके नाम से जारी किए गए संदेशों का प्रसारण ईरानी सरकारी मीडिया द्वारा किया जा रहा है। इसकी वजह से मोजतबा के गंभीर रूप से घायल होने की खबरों को और बल मिला है। अमेरिकी रिपोर्टों में अलग–अलग दावे

ईरानी अधिकारियों ने बयान जारी कर कहा कि देश की कमान नए सर्वोच्च नेता के हाथ में है। इसके बावजूद कई अमेरिकी रिपोर्टों में खामेनेई की सेहत पर सवाल खड़े किए हैं। किसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोजतबा कोमा में हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं, द सन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हमलों में खामेनेई ने एक हाथ और एक पैर खो दिया है। ट्रंप ने दी तबाही मचाने की चेतावनी

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को मंगलवार आठ बजे (ईस्टर्न टाइम) तक एक समझौता करने का अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि इस समय सीमा के बाद कोई पुल और कोई बिजली संयंत्र नहीं बचेगा। ट्रंप ने स्वीकार किया कि संघर्ष 28 फरवरी को शुरू होने पर ईरान बहुत शक्तिशाली स्थिति में था, लेकिन अब अमेरिका ने उसके सिर को काट दिया है। उन्होंने कहा कि ये कदम 47 साल पहले ही उठाए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा, ष्मुझे लगता है कि यह ठीक चल रहा है, लेकिन हमें देखना होगा। आपको यह समझना होगा, हम इन लोगों के साथ 47 साल से निपट रहे हैं।

फजीहत के बाद बदले पाकिस्तान के सुरः यूएस-ईरान समझौते पर अब किया टिप्पणी से इनकार, तेहरान दिखा चुका है आईना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए

शांति प्रस्ताव की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, विदेश कार्यालय ने कहा कि शांति प्रक्रिया जारी है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा, ष45 दिवसीय युद्धविराम की पेशकश या 15–सूत्रीय समझौते की कई खबरें आई हैं। हम इन पर टिप्पणी नहीं करते हैं। पाकिस्तान का यह बयान रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान और अमेरिका को पाकिस्तान द्वारा तैयार की गई एक योजना मिली है, जो युद्धविराम करा सकती है। रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि युद्धविराम की यह रूपरेखा रातोंरात दोनों पक्षों के साथ साझा की गई थी। अमेरिकी रिपोर्ट में मध्यस्थता का दावा अमेरिकी मीडिया एक्सियोस ने अपनी एक रिपोर्ट में स्रोतों का हवाला देते हुए बताया था कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ एक संभावित 45–दिवसीय युद्धविराम पर चर्चा कर रहे थे। जो युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की दिशा में दो–चरणीय समझौते का हिस्सा हो सकता है। इसमें पहले युद्धविराम और फिर व्यापक समझौता किए जाने का दावा किया गया था।

ईरान ने खारिज किया प्रस्ताव ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए अमेरिका द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर जवाब देते हुए तेहरान ने युद्धविराम को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा कि युद्ध का स्थायी अंत जरूरी है। ईरान के जवाब में 10 सूत्र शामिल थे, जिनमें क्षेत्र में संघर्षों की समाप्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन के लिए एक प्रोटोकॉल, प्रतिबंधों को हटाना और पुनर्निर्माण शामिल थे। पाकिस्तानी प्रस्ताव खारिज होने की क्या थी वजह? मध्यस्थ बन रहे पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव के जवाब में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत अल्टीमेटम और युद्ध अपराधों के अंजाम देने की ध् ामकी के साथ असंगत है। प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि 15–सूत्रीय योजना जैसी पिछली अमेरिकी मांगों को बहुत ज्यादा होने की वजह से अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान की भूमिका पाकिस्तान खुद को शांति प्रक्रिया में एक सूत्रधार के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान इस युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभाकर अमेरिका के साथ अपने संबंधों और ईरान के साथ अपने कामकाजी संबंधों का लाभ उठा रहा है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति बनेंगे ट्रंप?: मजाक-मजाक में किया इशारा, बोले- तेल से ईरान युद्ध का काफी खर्च निकला

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हल्के–फुल्के अंदाज में कहा कि वेनेजुएला में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए, वे अपने कार्यकाल के बाद वहां के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के लोग कहते हैं कि अगर वे वहां राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ें, तो उनको किसी भी अन्य उम्मीदवार से कहीं ज्यादा वोट मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे जल्द ही स्पैनिश भाषा सीख लेंगे, क्योंकि वे भाषाओं को सीखने में माहिर हैं। पूर्व राष्ट्रपति मादुरो को किया था गिरफ्तार यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सेना ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को ड्रग्स तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार किया था। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाला था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।